वर्ष : 09, अंक : 311
पृष्ठ : 08
पटना, गुरुवार
16 नवम्बर, 2023
प्रातः संस्करण
मूल्य : 2/-

देश का विश्वसनीय अखबार
हिन्दुस्तान का प्रतीक

website : www.hkpnews.com   Email Id : hkppatna@gmail.com   R.N.I. No. : BIHHIN/2015/62586

4 मुद्दा विहीन नजर आ रहे हैं इस बार के विधानसभा चुनाव
8 कमजोरी में शांति की बात नहीं हो सकतीः धनखड़

आदर्श धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगी मां जानकी जन्मभूमि

पटना (एजेंसी)। बिहार पर्यटन विभाग केसरिया में पर्यटक सुविधा केंद्र की स्थापना करेगा। यहां विश्वप्रसिद्ध बौद्ध स्तूप है, जहां बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। इस योजना पर 18 करोड़ 25 लाख की राशि खर्च की जाएगी। इस प्रोजेक्ट को एक साल में पूरा करने का लक्ष्य है।

योजना से जुड़ा टेंडर जारी

इसके अलावा, सीतामढ़ी में पुनौरा धाम मंदिर का विकास किया जाएगा। इस योजना पर 67 करोड़ 39 लाख राशि खर्च की जाएगी। इस प्रोजेक्ट को दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की ओर से योजना से जुड़ा टेंडर जारी कर दिया गया है। दोनों योजनाओं के लिए एजेंसी 26 दिसंबर तक टेंडर जमा कर सकती

शेष पृष्ठ 7 पर

नई दिल्ली-दरभंगा क्लोन स्पेशल की तीन बोगियों में भीषण आग, लोगों ने कूद कर बचाई जान, 8 घायल

इटावा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के इटावा में नई दिल्ली से दरभंगा जा रही क्लोन स्पेशल की तीन बोगियों में आग लगने का मामला सामने आया है। इटावा के सराय रोपड़ स्टेशन के पास क्लोन स्पेशल में भीषण आग लग गई। सराय भूपत रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की एस-1 बोगी आग में लगी। आग को लगता देखकर सवार यात्री बोगी से कूद कर बाहर निकले। इसमें 8 यात्रियों के घायल होने का मामला सामने आया है। पर्वों के कारण इस समय ट्रेन में भारी भीड़ दिख रही है। स्लीपर बोगी में सबसे अधिक भीड़ दिख रही है। ऐसे में आग की घटना ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। रेल के डिब्बे में भयानक आग की तस्वीर सामने आ रही हैं। आग ने ट्रेन की कई बगियां को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के कारणों का पता अब तक नहीं लग पाया है। आग लगने की घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड टीम को दी गई। दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच कर बोगी में लगी आग को बुझाने के प्रयास में जुट गई

है। वहीं, रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

क्लोन स्पेशल ट्रेन करीब दोपहर 12:30 बजे नई दिल्ली से खुली थी। शाम 5 से 5:30 बजे के बीच सराय भूपत स्टेशन के पास गुजर रही थी। इसी दौरान एस-1 बोगी में धुआं निकलता दिखा। इसे देखते ही गार्ड ने ट्रेन को रोकने का सिग्नल दिया। यात्रियों को बोगी से उतारा गया। यात्रियों को उतरते ही बोगी में आग फैलने लगी। छठ को लेकर क्लोन स्पेशल चलाया जा रहा है। इसको लेकर रेलवे की ओर से जानकारी जारी की गई है। इसमें दावा किया गया है कि इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि, ट्रेन में सवार यात्रियों के सामान जलकर खाक हो गए हैं। रेलवे की ओर से जलकर खाक हुई तीनों बोगियों को काटकर अलग करने की कवायद जारी है। इसके बाद रेल को आगे के लिए रवाना किए जाने की तैयारी की गई है।

02570 नई दिल्ली- दरभंगा क्लोन स्पेशल ट्रेन छठ पर्व को लेकर चलाई जा रही है। इसके इटावा के सराय भूपत स्टेशन के पास पहुंचने

शेष पृष्ठ 7 पर

बिहार के किसानों को जल्द ही मिलेगा इंटरेस्ट फ्री लोन, बैंकों से दिलवाएगी सरकार

पटनाः बिहार सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्य सहकारी बैंक जल्द ही प्रदेश के किसानों को ब्याज मुक्त अल्पकालिक कृषि ऋण प्रदान करेंगे। बिहार के सहकारिता विभाग के मंत्री सुरेंद्र यादव ने 70वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह- 2023 के अवसर पर यहां जिला सहकारी बैंकों के पदाधिकारियों और प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा, ह्यछोटे और सीमांत किसान राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य में महागठबंधन सरकार ने सहकारी समितियों के साथ-साथ किसानों के लिए भी कारोबार सुगमता की दिशा में कई कदम उठाए हैं। हम जल्द ही किसानों के लिए कई प्रोत्साहन लेकर आएंगे। हमारे सहकारी बैंक लगातार लाभ में हैं और त्रिस्तरीय ऋण संरचना की शीर्ष इकाई होने के नाते किसानों और अन्य हितधारकों के लाभ के लिए खरीद और अन्य सहकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू कर रहे हैं।'

इस अवसर पर बिहार सहकारिता विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कमार सिंह ने कहा,

शेष पृष्ठ 7 पर

बिहार में सरकारी नौकरियों की 'बाढ़'

अब प्रधान शिक्षक पद पर बंपर बहाली, जानें किसे मिलेगा मौका

सीतामढ़ी। चुनावी वादों के मुताबिक सूबे की सरकार सरकारी नौकरियों की 'बाढ़' ला दी है। हाल में हजारों शिक्षकों की बहाली के बाद फिर स्कूलों में बहाली की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। अब सूबे के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में प्रधान शिक्षक के पद पर बहाली की कागजी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। शीघ्र ही विज्ञापन निकाले जाने की उम्मीद है। खबर मिली है कि 11334 प्रधानाध्यापक के पद रिक्त हैं, जिसे भरने की कोशिश की जा रही है। इससे एक ओर जहां राज्य सरकार गत विधान सभा चुनाव के दौरान सरकारी नौकरियों के किये वादों को पूरा कर रही है, तो दूसरी ओर सूबे के हजारों बेरोजगारों को नौकरी पाकर अपने पैरों पर खड़ा

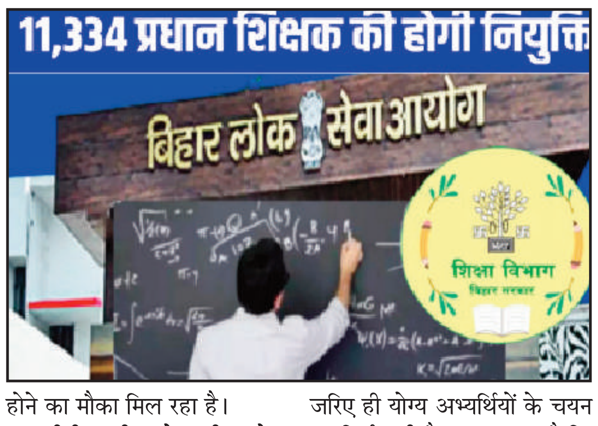

होने का मौका मिल रहा है।

बीपीएससी से ही होगा चयन

हाल में 1.20 हजार शिक्षकों का चयन बीपीएससी के माध्यम से किया गया है। इन 11334 प्रधानाध्यापक के पद पर बहाली के लिए राज्य सरकार बीपीएससी के जरिए ही योग्य अभ्यर्थियों के चयन का निर्णय ली है। बताया गया है कि माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में पूर्व से भी पद रिक्त चल रहे हैं। पूर्व में 6421 पदों पर बहाली को विज्ञापन निकाला गया था, जिसमें से 421 पदों पर ही बहाली संभव हो सकी थी। शेष पद खाली रह गए थे। इस बीच और पद भी खाली हो गए हैं। इस लिहाज से अब प्रधान शिक्षक के 11334 पदों पर बहाली होने वाली है।

लिखित परीक्षा के माध्यम से बहाली

बताया गया है कि बहाली के लिए लिखित परीक्षा ली जायेगी। इसमें सफल योग्य अभ्यर्थी प्रधान शिक्षक की कुर्सी पर बैठेंगे। इन प्रधान शिक्षकों के लिए एक अलग संवर्ग का भी गठन होगा। इस बहाली के बाद राज्य सरकार की नजर मिडिल स्कूलों के रिक्त प्रधान शिक्षक की कुर्सी को भरने की ओर है। राज्य सरकार फिलहाल जिलों से मिडिल स्कूलों के प्रधान शिक्षक के रिक्त पदों का आंकड़ा मांगा रही है।

शेष पृष्ठ 7 पर

जमुई में शाहिद प्रभात रंजन की पार्थिव शरीर वैशाली पहुंचते ही उमड़ी भीड़

हाजीपुर वैशाली। नियोजित शिक्षक और रेलवे की नौकरी छोड़कर बने थे दारोगा, बालू माफिया के खिलाफ कार्रवाई में हुए शहीद, बिहार के जमुई में शहीद दारोगा प्रभात रंजन का पार्थिव शरीर वैशाली पहुंचा, जहां सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई. प्रभात रंजन काफी होनहार थे. शिक्षक और रेलवे की नौकरी छोड़कर बिहार पुलिस की नौकरी की थी, लेकिन बालू माफिया के खिलाफ कार्रवाई में शहीद हो गए.

बिहार के जमुई में शहीद दरोगा प्रभात रंजन को वैशाली पैतृक गांव में अंतिम विदाई दी गई, जैसे ही पार्थिव शरीर वैशाली के भगवानपुर खजूजरी गांव पहुंचा लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, लोगों में शोक की लहर दौड़ गई, बुधवार को पूरे सम्मान के साथ शहीद को अंतिम विदाई दी गई, मौके पर मौजूद स्थानीय विधायक ने सरकार से मुआवजे और अनुकंपा पर नौकरी की मांग की है,

वही शहीद प्रभात रंजन पातेपुर के बलीगांव थाना अंतर्गत भगवानपुर खजुरी गांव निवासी शिवनारायण साह के पुत्र थे, बताया जाता है कि दरोगा का पुरा परिवार संकट से जूझ रहे हैं, पत्नी और दोनों बच्चें उनकी मां और बड़े भाई का इलाज के लिए दिल्ली में रहते हैं, बड़े भाई मधुकांत किडनी रोग से ग्रस्त हैं, उनकी मां सीता देवी ने अपनी किडनी दान की लेकिन वह भी खराब हो गया, फिलहाल दिल्ली में इलाज चल रहा है, तीन माह पहले प्रभात रंजन को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी, लेकिन वह भी बीमार चल रहा है,

इस घटना से वैशाली पुलिस भी काफी मर्माहत है, जिस समय दरोगा के शहीद होने की खबर आई, घर कोई सदस्य नहीं थे, ग्रामीणों के बताने पर पुलिस ने शहीद के परिजनों को दिल्ली फोन कर जानकारी दी, गांव के लाल प्रभात रंजन की शहादत की खबर से न केवल पैतृक गांव खजूरी बल्कि उनकी ससुराल टेकनारी गांव में गम है,

शहीद प्रभात रंजन पहले पंचायत नियोजित शिक्षक के रूप में अपना योगदान दिया था, शिक्षक के रूप में काम करने के दौरान ही रेलवे की ग्रुप डी में नौकरी मिली थी, रेलवे में नौकरी करते हुए 2018 में दरोगा भर्ती परीक्षा में सफलता हासिल की थी, जिसके बाद पहली पोस्टिंग उनकी सारण जिले में हुई थी, इसके बाद वहां से तबादला जमुई में हुई थी, 2018 में ही उनकी शादी पातेपुर के टेकनारी निवासी नंदकुमार शाह की पुत्री पूजा कुमारी से हुई थी, शहीद को 3 साल की पुत्री व तीन माह का पुत्र है, शहीद प्रभात रंजन दो भाई वह एक बहन में सबसे छोटे थे। प्रभात रंजन की शहीद होने के बाद पुरे ज़िले में शोक व्याप्त है।

मध्य प्रदेश चुनाव और छत्तीसगढ़ में थमा चुनावी प्रचार का शोर, 17 नवंबर को डाले जाएंगे वोट

मध्य प्रदेश चुनाव और छत्तीसगढ़ चुनाव दूसरे चरण के लिए दोनों की राज्यों में प्रचार का शोर थम गया है। 17 नवंबर को मध्य प्रदेश की 230 और छत्तीसगढ़ की 70 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए कुल 2,533 उम्मीदवार मैदान में हैं, जहां सत्ता के लिए मुख्य लड़ाई सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी कांग्रेस के बीच है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, उनकी पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस (तीनों भाजपा से) ने मतदाताओं को लुभाने के लिए अंतिम समय में अपने संबंधित उम्मीदवारों के लिए प्रयास किये।

मध्य प्रदेश में 5,60,60,925 मतदाता हैं जिनमें 2,88,25,607 पुरुष, 2,72,33,945 महिलाएं और 1,373 तीसरे लिंग के व्यक्ति हैं। शुक्रवार को मतदान एक चरण में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक 2,049 मतदान केंद्रों पर चलेगा। अपने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन चुनावी रैलियों को संबोधित किया और इंदौर में एक रोड शो किया। केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के मुख्य रणनीतिकार अमित शाह ने भी मंगलवार को जबलपुर में इतनी ही संख्या में सभाओं को संबोधित किया और रोड शो किया। कांग्रेस नेता

राहुल गांधी और अन्य ने भी मंगलवार को अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। आखिरी दिन समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी रैलियों को संबोधित किया।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन बुधवार को राज्य के दोनों प्रमुख दलों के नेताओं ने सभाएं की और एक दूसरे पर हमला बोला। हालांकि, प्रत्याशी इस दौरान घर-घर जाकर जनसंपर्क कर सकेंगे। राज्य में इस विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के चुनाव अभियान का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया और दूसरे चरण से पहले उन्होंने चार बड़ी रैलियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान राज्य सरकार और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर भ्रष्टाचार, विशेष रूप से कथित महादेव सट्टेबाजी ऐप घोटाले, लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले और नक्सलवाद को लेकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य में पार्टी की सरकार बनने पर भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का वादा किया। भाजपा की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह तथा स्मृति ईरानी ने भी बड़े पैमाने पर प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने सट्टेबाजी ऐप घोटाले, धर्मांतरण और तुष्टिकरण की राजनीति को लेकर मुख्यमंत्री बघेल पर हमला बोला और सत्ताधारी दल कांग्रेस पर इसमें शामिल होने का आरोप लगाया। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि पहले चरण के चुनाव में कांग्रेस पस्त हो गई है और दूसरे चरण में भी उसका सफाया हो जाएगा। दूसरी ओर कांग्रेस की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मुख्यमंत्री बघेल ने सत्ताधारी दल के लिए अभियान का नेतृत्व किया और जवाबी हमला करते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी गरीबों के हित के बारे में सोचती है जबकि भाजपा के नेतृत्व वाला केंद्र केवल अमीरों के कल्याण के लिए

शेष पृष्ठ 7 पर

151 छठव्रतियों के बीच वितरण किया गया छठ पूजन-सामग्री

भारत विकास परिषद लक्ष्मीबाई शाखा सह संस्कार संस्कृति की ओर से रतनपुर धर्मशाला में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर जरूरतमंद 151 छठ व्रतियों के बीच बुधवार को छठ पूजन सामग्री का वितरण भारत विकास परिषद लक्ष्मीबाई शाखा सह संस्कार संस्कृति के द्वारा रतनपुर धर्मशाला में किया गया। शाखा अध्यक्ष सरिता सुल्तानिया ने बताया कि यह कार्यक्रम विगत 10 वर्षों से शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में आपसे सहयोग से उन लोगों के लिए किया जा रहा है, जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं और जरूरतमंद हैं।

भारत विकास परिषद के उत्तर कोशी बिहार के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. कांति मोहन ने बताया कि इस वर्ष छठ व्रतियों के बीच स्टील टसला, कद्दू, मूली, चीनी, घी, अगरबत्ती, चना दाल, बद्दी, कटुक मशाला, गेंहू, सिंदूर, नारियल, दक्षिणा आदि का वितरण किया गया।मौके पर मौजूद मटिहानी विधायक राजकुमार सिंह और उनकी धर्मपत्नी सुनीता सिंह ने इस कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि लोग जरूरतमंद की मदद के लिए सामने आ रहे हैं। यह सामाजिक सौहार्दय के लिए अच्छी पहल है। वहीं, महापौर पिंकी देवी और पूर्व महापौर संजय सिंह ने कहा कि अपने लिए तो सभी करते हैं, लेकिन जो दूसरे के लिए करते हैं वही सेवा भाव उन्हें आगे ले जाता है। कार्यक्रम के मीडिया प्रमुख सह रेड रिबन क्लब के ब्रांड अम्बेसडर सुमित कुमार ने बताया कि हम सभी टीम ने मिलकर ऐसे-ऐसे जरूरतमंद लोगों की सूची बनाई है।

जिन्हें वाकई में जरूरत थी और सभी लोगों के मेहनत का फल है कि आज वैसे लोगों का चयन कर उनके बीच सभी सामान का वितरण किया गया। वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष अशोक कुमार सिन्हा ने बताया कि देवी देव सेना की आज्ञानुसार राजा प्रियंवद ने कार्तिक माह के शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि को छठ पूजा की थी।उन्होंने यह पूजा पुत्र प्राप्ति का कामना से की थी। छठी मैया के आशीर्वाद से राजा प्रियंवद को पुत्र की प्राप्ति हुई। तब से हर साल कार्तिक शुक्ल षष्ठी को छठ पूजा की जाने लगी। रेड क्रॉस उपाध्यक्ष डॉक्टर नलिनी रंजन एवं समाजसेवी राजू सिंह ने बताया कि कहा जाता है कि षष्ठी और सप्तमी तिथि को यह सूर्य विशेष आराधना करते थे। इसके बाद से ही छठ महापर्व को मनाने की परंपरा की शुरूआत हुई। वहीं, सूर्यपुराण में देव मंदिरों का उल्लेख होने के कारण इस पूजा का विशेष महत्व माना जाता है।छठ पूजा के बारे में कहा जाता है कि यह पूरी तरीके से प्रकृति को समर्पित होता है। डॉ. राजेश ने बताया कि इस अवसर जो आगंतुक अतिथियों के बीच जो पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य का पौधा उपहार में दिया गया, वो काबिले-तारीफ हैं। इस मौके पर आशा सिन्हा, किशोरी मिश्रा, मंजू संघई, सुधा मसकरा, वीना हिसारिया, पप्पी अग्रवाल, मंजू मसकरा, चंदा पाठक, सुमित कुमार, अभिमन्यु कुमार, राजेश रूंगटा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

जमालपुर ईएमयू का विस्तारीकरण तिलरथ से बढ़ाकर दिनकर ग्राम स्टेशन सिमरिया तक करने की मांग

गढहारा, बेगूसराय। पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के यात्री यातायात प्रबंधक को समाज सेवा संघर्ष समिति गढहारा- बरौनी ने तिलरथ-जमालपुर सवारी गाड़ी का विस्तारीकरण कर राष्ट्रकवि दिनकर की जन्मस्थली सिमरिया स्टेशन तक करने की मांग की है।समिति के अध्यक्ष मुक्तेश्वर प्रसाद वर्मा एवं युवा समाजसेवी अमित ठाकुर ने दिनकर ग्राम सिमरिया के सम्मान में जमालपुर ईएमयू का विस्तारीकरण तिलरथ से बढ़ाकर दिनकर ग्राम सिमरिया स्टेशन तक करने की मांग को लेकर राज्यसभा सदस्य राकेश सिन्हा से मुलाकत कर मांग पत्र सौंपा। समिति के अध्यक्ष श्री वर्मा ने कहा कि गढहारा स्टेशन पर कमला गंगा इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन की ठहराव को बंद कर दिया गया है। बरौनी गढहारा व सिमरिया की उपेक्षा को बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ट्रेनों का ठहराव गढहारा व सिमरिया में नहीं होगा तो पुनः आदोंलन को बाध्य होगें। मालूम हो कि सिमरिया एवं गढहारा आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को जमालपुर ईएमयू ट्रेन को पकड़ने के लिए तिलरथ जाने में आर्थिक दोहन का शिकार होना पड़ता है। इसको लेकर अन्य परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। गत दिनों मांगों को लेकर समाज सेवा संघर्ष समिति अध्यक्ष श्री वर्मा एवं अमित ठाकुर ने मंडल रेल प्रबंधक सोनपुर को भी स्मार-पत्र सौंपा था।

ओएचई में सप्लाई ठप होने का कारण रेलवे गुमटी पर सत्याग्रह एक्सप्रेस के रुकने से घंटों रही जाम

जाम के बाद यातायात पुलिस को घंटो मशक्कत के बाद जाम से मिली राहत।

बगहा। ओएचई में सप्लाई ठप हो जाने से सत्याग्रह एक्सप्रेस बगहा रेलवे गुमटी पर रुक गई। दरअसल, 15273 सत्याग्रह एक्सप्रेस बगहा स्टेशन से जैसे ही खुली रेलवे गुमटी के पास पहुंचते ही ओएचई में सप्लाई ठप हो गया जिसके कारण ट्रेन रेलवे गुमटी के पास रुक गई। इस दौरान करीब 10 मिनट तक ट्रेन रुकी रही। रेलवे गुमटी पर सत्याग्रह एक्सप्रेस रुक जाने से रेल यात्रियों में अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। वहीं दूसरी ओर रेलवे गुमटी पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। रेलवे रेलवे गुमटी पर करीब 10 मिनट तक सत्याग्रह एक्सप्रेस के रुके रहने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं जाम की स्थिति से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। ट्रैफिक पुलिस के घंटे में मशक्त के बाद रेलवे गुमटी पर यातायात की सुविधा बहाल हुई। इधर इस बाबत बगहा रेलवे स्टेशन के प्रभारी स्टेशन अधीक्षक राजन कुमार का कहना है कि ओएचआई में सप्लाई ठप हो जाने के कारण बगहा रेलवे गुमटी पर सत्याग्रह एक्सप्रेस एकाएक रुक गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान करीब 10 मिनट तक सत्याग्रह एक्सप्रेस बगहा रेलवे गुमटी पर रुकी रही। बाद में ओएचआई में सप्लाई शुरू होने के बाद ट्रेन का परिचालन पुनः शुरू किया गया। इधर रेलवे गुमटी के बंद हो जाने से बगहा रेलवे ढाला पर करीब एक से डेढ़ किलोमीटर लंबे जाम लग गया । जिससे लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

छठ घाटों की उम्दा सफाई के साथ खतरनाक जोन चिन्हित कर युद्ध स्तर पर लगाएं बैरिकेटिंग : गरिमा

सिटी मैनेजर व जेई को सफाई और लाइटिंग रिपेयरिंग की व्यवस्था के दिए निर्देश

अनिसुल वरा

बेतिया। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बुधवार को शाम तक नगर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम की ओर से छठ महापर्व की तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर सिटी मैनेजर अरविंद कुमार, कनीय अभियंता सुजय सुमन और सफाई निरीक्षक जुलुम साह भी साथ रहे। महापौर ने नगर के सागर पोखरा, उत्तरवारी पोखरा, संत घाट आदि छठ घाटों का निरीक्षण कर के उम्दा साफ सफाई और खतरनाक जोन को चिन्हित कर के बैरिकेटिंग लगाने का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घाटों की साफ सफाई और छठ व्रतियों के आने जाने वाले रास्ते का भी जायजा लिया। वहीं इसको लेकर स्थानीय लोगों से जानकारी लेकर नगर निगम के अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए। महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि छठव्रतियों के लिए सुगम पहुंच पथ से लेकर तमाम जरूरी सुविधाओं को दुरुस्त करने और मुहैया कराने के निर्देश दिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने सभी 46 वार्डों को दो-दो क्विंटल चुना, बड़े घाटों पर 1 क्विंटल चुना, छोटे घाटों पर 50 किलो चुना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। छठ पूजा में श्रद्धालुओं को कोई समस्या न हो, इसको लेकर घाट पर ही उपयुक्त चेंजिग रूम के लिए स्थल चयन करने का भी निर्देश दिया। वहीं छठ घाटों के संवेदनशील और खतरनाक स्थानों पर लोगों को जागरूक और सावधान करने के लिए कर्मियों की तैनाती का आदेश दिया। छठ घाटों को चिन्हित कर बैरिकेडिंग करने और स्थानीय समितियों के माध्यम से घाट पर लाइटिंग व्यवस्था को रिपेयरिंग कर और प्रभावी बनाने के लिए विशेष निर्देश दिया।

स्वच्छता बहाली में अनिमितत्ता को लेकर एसडीएम को ज्ञापन देकर न्याय की लगाई गुहार

बगहा। प्रखंड बगहा दो अंतर्गत ग्राम पंचायत राज मंगलपुर आसानी में स्वच्छता बहाली में अनियमितता कर मुखिया पति द्वारा अपने भाई को बहाली करने को लेकर उक्त पंचायत के आनंद नगर औसानी गांव निवासी कृष्णा कुमार ने एसडीएम डॉ अनुपमा सिंह को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है बता दे कि कृष्णा कुमार ने दिए आवेदन में लिखा है कि उक्त पंचायत में स्वच्छता पर्यवेक्षक पद बहाली में गुप्त रूप से मुखिया पति द्वारा स्वयं अपने सगे भाई को बहाल कर लिया गया हैं, जबकि स्वच्छता पर्यवेक्षक पद बहाली की नियमावली में निर्देश दिया गया है कि स्वच्छता पर्यवेक्षक कोई सार्वजनिक पदधारक नहीं होना चाहिए या निर्वाचित जन प्रतिनिध (मुखिया / पंच/वार्ड सदस्य / अन्य) एवं ग्राम पंचायत एवं प्रतिनिधियों के नजदीकी रिश्तेदार नहीं होंगे. जिसके बावजूद भी मुखिया पति द्वारा स्वयं अपने भाई को उक्त पद पर बहाल कर लिया गया है वही इसके पूर्व 29. अप्रैल.2023 को अनियमित कार्य की आशंका होने कि स्थिति में प्रखण्ड बगहा-दो बीडीओ को लिखितआवेदन देकर शिकायत दर्ज कराया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं किया गया तो बाध्य होकर एसडीएम से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है,

नगर परिषद में छठ व्रतियों के बीच वार्ड पार्षद संजय कुमार चौधरी ने किया साड़ी वितरण

शिवहर। जिले में नगर परिषद शिवहर के वार्ड नंबर 08 के वार्ड पार्षद संजय कुमार चौधरी के द्वारा सनातन धर्म में हिंदू के छठ पर्व का बहुत बड़ा महत्व है । इस महापर्व में उगते हुए और डूबते हुए सूरज की पूजा की जाती है। क्योंकि यह इस महापर्व के लिए एक महीना की तैयारी चलता है। इस महापर्व छठ व्रतियों करने वाले गरीब तबके के बीच वार्ड पार्षद संजय कुमार चौधरी ने साड़ी वितरण किया है।

आस्था का महापर्व छठ पर्व 17 नवंबर के नहाए खाए से प्रारंभ होगा। वार्ड पार्षद संजय कुमार चौधरी के द्वारा छठ करने वाले श्रद्धालु को घर-घर जाकर साड़ी वितरण किया है। इस महंगाई में छठ करने वाले श्रद्धालु को मदद करने की जरूरत है। वार्ड नंबर आठ के पार्षद संजय कुमार चौधरी का कहना है कि इस महंगाई में महापर्व छठ करने वाले को काफी कठिनाई हो रहा है हर सामान काफी महंगा है।

बच्चे देश के भविष्य हैं : प्रवेज आलम

फातमा जहां

फुलवारी शरीफ। मंगलवार को फुलवारीशरीफ के सुप्रसिद्ध स्टार कम्प्युटर इंस्टीच्युट के निदेशक प्रवेज आलम ने बच्चों को चिल्ड्रेन डे के अवसर पर उपहार देते हुए कहा कि बाल दिवस भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जो कि 14 नवम्बर को पैदा हुए इसलिए उनकि याद में हर साल पूरे देश में बाल दिवस मनाया जाता है। नेहाल सर ने बताया कि जवाहर लाल नेहरू को बच्चों के प्रति बेहद प्रेम और लगाव था। बच्चे उन्हें चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। बच्चों के लिए बेशुमार प्यार, लगाव और उनके लिए किए गए कार्यों को लेकर जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिन 14 नवंबर हर वर्ष बाल दिवस के तौर पर मनाया जाता है। नेहरू कहते थे कि बच्चे देश का भविष्य है इसलिए ये जरूरी है कि उन्हें प्यार दिया जाए और उनकी देखभाल की जाए, जिससे वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। वहीं शहजाद सर ने छात्राओं को कलम उपहार देकर उसके महत्व के बारे में समझाया कि इंसान को कलम कि शक्ति को समझना चाहिए ये नहीं देखें कि कलम सस्ता या महंगा है क्योंकि महगे या सस्ते कलम दोनों का महत्व बहुत ही ज्यादा होता है। एक छोटी सी कलम इंसान को किस मकाम पर ले जाएगी कोई नहीं जानता इसलिए जो कलम कर सकती है वो तलवार बिल्कुल नहीं।

पीएनबी शाखा मेंहुडा सख्त, 20 बकायेदारों पर बड़ी कार्रवाई, 200 पर सर्टिफिकेट केस करने का लक्ष्य - शाखा प्रबंधक

बगहा। पंजाब नेशनल बैंक शाखा मेंहुडा ने बड़े बकायेदारों के विरुद्ध सख्त है, ससमय ऋण की राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध मुहिम छेड़ रखा है। ताकि बकायेदार ऋण की राशि को जमा कर सके। पंजाब नेशनल बैंक शाखा मेंहुडा के शाखा प्रबंधक अजय सिंह ने बताया कि आंचलिक कार्यालय के आदेश के आलोक में बड़े बकायेदारों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू है। उन्होंने बताया कि बैंक ने वैसे चिन्हित बड़े बकायेदारों के विरुद्ध सख्त है, जो ससमय ऋण की राशि को जमा नहीं किया है। शाखा प्रबंधक ने बताया कि बैंक ने लगभग 200 बड़े बकायेदारों के विरुद्ध सख्त है जो ससमय ऋण की राशि को जमा नहीं किया है। उन्होंने बताया कि 20 बड़े बकायेदारों पर सर्टिफिकेट केस कर दिया गया है, तथा 40 खाताधारकों के विरुद्ध सर्टिफिकेट केस करने की कवायद शुरू है। शाखा प्रबंधक ने बताया कि ससमय ऋण की राशि जमा नहीं करने पर एक सप्ताह के अंदर सर्टिफिकेट केस दर्ज किया जायेगा। उन्होंने बड़े व छोटे बकायेदारों से अपील करते हुए कहा है कि आप अपने ऋण की राशि को ससमय जमा करें, अन्यथा बैंक आपसे ऋण की राशि के साथ ही कोर्ट फीस व अन्य सभी खर्च वसुल करेंगी। शाखा प्रबंधक ने कहा कि ससमय ऋण की राशि जमा कर बैंक के व्याज में किफायत लेने की अपील की। बैंक की सख्त कारवाई व मुहिम से बकायेदारों में हडकंप मच गया है।

अस्पतालों का निरीक्षण करने रात में निकले सिविल सर्जन एवं डीपीएम

- इमरजेंसी में उपलब्ध दवा की जानकारी नहीं रहने पर डाक्टरों को सिविल सर्जन ने लगाया फटकार
- रात्रि कालीन अस्पताल निरीक्षण से मचा हड़कंप

कौनैन अली

बेगूसराय। रात्रि करीब 11:00 बजे बरौनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का सिविल सर्जन डॉ.प्रमोद कुमार सिंह एवं डीपीएम मो.नसीम रजी के द्वारा निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के समय चिकित्सक मोहम्मद साजिद उपस्थित थे. इनके द्वारा कार्य किया जा रहा था। जीएनएम बबीता कुमारी और वसुधा कुमारी प्रसव संबंधित कार्य कर रही थी. बबीता कुमारी के द्वारा ड्रेस कोड का अनुपालन नहीं किया जा रहा था.निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने पाया कि चिकित्सक को आपातकालीन में कितनी प्रकार की दवाएं होना चाहिए इसकी पूर्ण जानकारी चिकित्सकों को नहीं था। आपातकालीन सेवा में ब्लड शुगर और हीमोग्लोबिन जांच की व्यवस्था उपलब्धता की आवश्यकता होती है परंतु नहीं था.

इस निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन द्वारा डाक्टरों एवं जीएनएम को डांट फटकार लगाए।साथ प्रभारी को निर्देश दिया गया कि अभिलंब सभी व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए।

इसके बाद तदोपरांत 11:45 अनुमंडलीय अस्पताल तेघरा का निरीक्षण किया गया।जहां डॉक्टर प्रभात कुमार विशेषज्ञ चिकित्सक अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रहे थे। वहीं प्रिया भारतीय एवं किरण कुमारी जीएनएम से संबंधित कार्य कर रही थी. साथ ही प्रिया भारती के द्वारा ड्रेस कोड का अनुपालन नहीं करने पर उसे भी सिविल सर्जन के द्वारा डांट फटकार लगाया गया। निरीक्षण के दौरान तेघरा अस्पताल में हीमोग्लोबिन एवं ब्लड शुगर जांच की व्यवस्था उपलब्ध थी. लेकिन इसस्ट्रिप नहीं रहने के कारण जांच का कार्य धीमी ह रहा था। सिविल सर्जन के द्वारा डाक्टरों को निर्देश दिया गया कि रात्रि कालीन में भी सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ किया जाय। ताकि रात्रि कालीन में किसी भी मरीज को अस्पताल में बेहतर सुविधा प्रदान हो सके।

निरीक्षण के समय तेघरा अस्पताल में अन्य व्यवस्था अच्छी थी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरौनी में दो गर्भवती माता का प्रसव हो रहा था।भरती मरीज से पूछे जाने पर बताया गया कि किसी भी मरीज के द्वारा प्रसव के दौरान किसी प्रकार की राशि नहीं ली गई है।

दोनों अस्पतालों में मरीज के द्वारा संतुष्टि बताई गई।

डीयू से चुनाव जीतने पर अभाविप कार्यकताओं ने किया सम्मानित

बखरी, बेगूसराय। बीते दिनों संपन्न हुए देश के नामचीन दिल्ली यूनिवर्सिटी से छात्र संघ चुनाव में जीत हासिल करने पर व्यवसायी नवल जयपुरिया के पुत्र यश जयपुरिया को अभाविप कार्यकताओं ने सम्मानित किया। सेंट्रल पैनल पर हुए चुनाव में यश ने अभाविप समर्थित उम्मीदवार के रूप में कल्चर प्रेसिडेंट पद पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 3445 मतों से विजय हासिल किया। इस मौके पर बखरी इकाई के कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए शॉल और मोमेंटो से सम्मानित किया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनीष कुमार एवं नगर मंत्री अनुभव आनंद ने कहा कि संगठन कार्यकताओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करती है।

बखरी जैसे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से निकल कर एक कार्यकर्ता का दिल्ली विश्वविद्यालय से चुनाव जीतना एक बड़ी उपलब्धि है। दिल्ली विवि के अधिकांश सीटों पर अभाविप की हुई प्रचंड जीत यह साबित करती है कि युवा पीढ़ी राष्ट्रवाद के पक्ष में एकजुट है। मौके पर पवन सुमन, प्रिंस सिंह परमार, जिला एसएफडी प्रमुख दिलखुश कुमार, नगर सहमंत्री रविन्द्र कुमार, शिवम जलन, छोटू केसरी, कृष्णा पोद्दार, अभिराज, वैभव जयपुरिया आदि मौजूद थे।

'विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ' को बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कैमूर में झंडी दिखा कर किया रवाना

पटना/कैमूर। केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लक्ष्यों को पूरी तरह हासिल करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर बुद्धवार (15 नवंबर) को भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी, झारखंड से विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया। इसी कड़ी में बिहार के कैमूर में आईईसी 'विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ' को बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर द्वारा झंडी दिखा कर रवाना किया गया। मौके पर विपिन प्रसाद अपर सचिव, भारत सरकार और कैमूर के जिलाधिकारी सावन कुमार मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी, झारखंड से विकसित भारत संकल्प यात्रा के शुभारंभ किये जाने के बाद बिहार के राज्यपाल राजेंद्र नाथ आर्लेकर ने कैमूर में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ' को रवाना करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए लोगों से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री के लोकल फॉर वोकल के तहत आत्मनिर्भर बने, लोकल सामग्रीयों का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने प्रधानमंत्री के विकसित भारत अभियान से जुड़ने का लोगों से आह्वान किया है, जिसे 2047 तक पूरा करना है।

वहीँ, कैमूर के जिलाधिकारी सावन कुमार ने कहा कि हमें इन दो महीनों में भारत सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं को किसी भी हालत में पूरा करना होगा, जैसे आयुष्मान भारत, पीएम विश्वकर्मा योजना, किसान समृद्धि योजना आदि, तभी विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य पूरा होगा।

इस अवसर पर सुकन्या समृद्धि योजना के लाभार्थी आरुषि कुमारी तथा सौम्या पटेल और महिला समृद्धि योजना के राजनी देवी, बीस किसानो को केसीसी दिया गया तथा एक किसान को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लाभ दिया गया। अंत में स्थानीय कलाकारों द्वारा धरती करें पुकार का मंचन किया गया जिसमें बंजर होते खेत का विवरण प्रस्तुत किया गया। पारुल सिंह, निदेशक, भारत सरकार ने धन्यवाद ज्ञापन किया ।

भगवान श्री चित्रगुप्त विश्व के प्रधान न्यायाधीश : राजीव रंजन प्रसाद

पटना। पटना के विभिन्न चित्रगुप्त पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएँ देते हुए जदयू के राष्ट्रीय सचिव एवं ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने भगवान श्री चित्रगुप्त को विश्व का प्रधान न्यायाधीश बताया।

उन्होंने कहा कि पाप-पुण्य के अनुसार न्याय करने वाले, न्यायकर्ता, ब्रह्मण्ड और त्रिदेव भी भगवान श्री चित्रगुप्त जी का आज्ञा का पालन करते है।

श्री प्रसाद ने अशोक नगर, हनुमान नगर, नवचेतना समिति, इंदिरा नगर, दरियापुर, कंकड़बाग हाउसिंग कॉलोनी, कदमकुआँ, बेऊर, ठाकुरबाड़ी, चित्रगुप्त समाज अनिसाबाद, श्रमजीवी पत्रकार यूनियन, आशियाना नगर मजिस्ट्रेट कॉलोनी, महेश नगर समेत अनेक पूजा मंडपों में भगवान श्री चित्रगुप्त के दर्शन किए।

इस अवसर पर उनके साथ जीकेसी, बिहार के अध्यक्ष दीपक अभिषेक, संजय कुमार सिन्हा, सुशील श्रीवास्तव, अनिल दास, धनंजय प्रसाद, काजू जी, प्रसून श्रीवास्तव आदि भी शामिल थे।

जमीनी विवाद में चार घायल

लौरिया। प्रखंड क्षेत्र के चटकल चौक के पास हुये जमीनी विवाद में दो पक्षों के चार लोग घायल हो गये हैं। घायलो की एक पक्ष की पहचान संत सिंह उम्र करीब 40 वर्ष और पारस सिंह उम्र करीब 55 वर्ष दोनों पिता स्व देवनारायण सिंह ग्राम सिसवनीया पश्चिम टोला और दुशरे पक्ष के चंदन कुमार उम्र करीब 28 वर्ष अखिलेश सिंह उम्र करीब 42 वर्ष पिता रविन्द्र सिंह ग्राम सिरकहीया के निवासी हैं।

बतादे कि दोनों पक्षों के बीच करीब छः माह से जमीनी विवाद चल रहा था थाना मे लगने वाले जनता दरबार मे भी इस मामले की सुनवाई हुई थी। मामला समझ कर सीओ ने उन्हे न्यायालय से मामला सुलझाने का आदेश दिया था।लौरिया सामुदायिक अस्पताल के चिकीत्सक कुमार सचीन किशोर ने चारो घायलो का ईलाज किया और गंभीर स्थिति को देखते हुये संत सिंह व पारस सिंह को बेतिया रेफर कर दिया। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी हुई है आवेदन अभी नही मिला है आवेदन मिलते ही अग्रतेर कारवाई की जायेगी।

बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना पर कांग्रेसियों ने जताया आक्रोश

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। जिले के बेगूसराय प्रखंड मुख्यालय से महज कुछ ही दूरी अवस्थित रजौडा में बीते दिनों एक बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर देने की घटना पर बुधवार को कांग्रेसी नेता वहां पहुंचे। पीडित परिवारों से मिलकर उन्होंने सांत्वना दी तथा वैसे अपराधियों के खिलाफ आवाज बुलंदकर आक्रोष जताया। उन्होंने ऐसे हैवान को मिलकर सामूहिक रूप से समाज से बहिष्कार करने की अपील लोगों से की है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बिहार प्रदेश कांग्रेस सदस्य राम रीझन हजारी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्रीकांत राय, मंडल अध्यक्ष नरेश शाह, हरेराम राय, बिहार कांग्रेस सदस्य जयप्रकाश गुप्ता, मुखिया प्रतिनिधि सरोज सिंह, बिहार कांग्रेस सदस्य कुमार रत्नेश टुल्लू, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव सावर कुमार, सोशल मीडिया लोकसभा प्रभारी राघव कुमार, मोहम्मद कुद्दूस अंसारी, नीरज कुमार, मुकेश कुमार, मंटु कुमार सहित अन्य साथियों के साथ मिलकर परिजनों के प्रति सहानुभूति दी। पूर्व विधायक अमिता भूषण के द्वारा बेगूसराय एसपी से बात कर प्रशासन से घटना की जांच की जानकारी लेते हुए अविलंब अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए उचित कदम उठाने की आग्रह किया। सभी साथियों ने एक सामूहिक फैसला लेकर एसपी से मिलने का समय मांगा है। अधिकारियों के द्वारा जांच कर अपराधियों की गिरफ्तारी में अगर कोताही बरती जाएगी तो बच्ची के न्याय हेतु प्रशासन के खिलाफ धरना कर उग्र प्रदर्शन करने का काम किया जाएगा। उन्होंने अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार कर फांसी की सजा दिलवाने की मांग की।

राज्य स्तरीय दो सदसीय टीम ने किया पीएचसी खानपुर का निरीक्षण

खानपुर (समस्तीपुर)। प्रखंड में राज्य सरकार द्वारा जारी मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान करने विभिन्न कैटेगरी में अस्पताल की गुणवत्ता जांची परखी जाती है इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खानपुर को कायाकल्प श्रेणी में उत्क्रमित करने वास्ते राज्य स्तरीय दो सदस्यीय टीम के द्वारा दिनांक 13 नवंबर 2023 से 14 नवंबर 2023 तक निरीक्षण किया गया।कायाकल्प सर्टिफिकेशन के अंतर्गत संबंधित अस्पताल को बेहतर चिकित्सीय उपकरण एवं सुविधाओं जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप प्रसव कक्ष,ऑपरेशन थिएटर,लैब,अंतकक्ष, बाहय कक्ष एवं स्वच्छ परिसर का निर्माण किया जाता है वर्तमान परिदृश्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खानपुर किसी पर्यटन स्थल से कम नहीं दिख रहा. अस्पताल के सभी वर्ग के पदाधिकारी एवं कर्मचारी अपनी पूर्ण दक्षता एवं समर्पण के साथ सेवा भाव में दिख रहे हैं जांच दल में आए सदस्य मदन लाल गुप्ता असिस्टेंट डायरेक्टर पोलियो ने कहा की कायाकल्प के लिए जिले के इस अस्पताल का असेसमेंट किया गया है इसका प्रमुख उद्देश्य है कि यहां अस्पताल में मरीज को किसी अन्य प्रकार का संक्रमण न हो एवं इस अस्पताल से किसी अन्यत्र जगह संक्रमण का फैलाव ना हो। जांच दल में शामिल राकेश कुमार शर्मा जो सहयोगी संस्था पीरामल से आए रहे उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण किया जहां अस्पताल की विधि व्यवस्था मानक पर खड़ा पाया, वहीं कुछ त्रुटि पाई गई जिसमें संबंधित दिशा निर्देश जारी किए गए। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर राणा नितेश नितेश कुमार सिंह ने बताया कि अस्पताल को उच्चतम गुणवत्ता युक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है उन्होंने अस्पताल को स्वच्छ सुंदर एवं अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता युक्त अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा।

कृषि विज्ञान केंद्र में किसान सम्मान सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। खोदावंदपुर कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से बुधवार को पीएम किसान सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खूंटी झारखंड से रिमोट दबाकर पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 15वीं किस्त जारी किया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र बेगूसराय में हो रहे कार्यक्रम के सीधे प्रसारण में जिले के 200 से अधिक किसानों ने भाग लिया। उनके सम्मान में वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान द्वारा शॉल व गमछा का वितरण किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर रामपाल द्वारा रबी की फसल पर चर्चा की गई। डॉक्टर सुषमा टमटा द्वारा जलवायु अनुकुल कृषि कार्यक्रम के विभिन्न तकनीकों के बारे में बताया गया।डॉक्टर विपीन द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तारपूर्व चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के साथ-साथ किसानों के लिए जलवायु अनुकुल कृषि कार्यक्रम के तहत प्रक्षेत्र दिवस का भी आयोजन किया गया। साथ ही किसानों को बीज उपचार के लिए जैव उर्वरक का भी वितरण किया गया।

एस एस बी ने चलाया 30 दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण

नरकटियागंज। 44 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल नरकटियागंज के द्वारा 40 महिलाओं के लिए 30 दिवसीय सिलाई का व्यावसायिक प्रशिक्षण, 30 दिवसीय बेसिक कंप्यूटर पाठ्यक्रम पर व्यावसायिक प्रशिक्षण 30महिला एवं पुरुष के लिए, 30 दिवसीय हाउस वायरिंग एवं घरेलु उपकरण पर व्यावसायिक प्रशिक्षण 30 महिला एवं पुरुष के लिए था इस ह्लकौशल विकास प्रशिक्षणह्व का भव्य समापन ह्लगौनहा ब्लाक के फूटबॉल ग्राउंड में करते हुए 100 महिला एवं पुरुष प्रशिक्षुओं को प्रमाण प्रदान किया गया। यह नागरिक कल्याण कार्यक्रम उअढ-2023 के तहत किया गया। उपरोक्त के अलावा ₹महिलाओं को सशस्त्र सीमा बल/उअढत्र में भर्ती होने हेतु, बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान, आजादी का अमृत महोत्सव, नशा मुक्त भारत अभियान, भारत के वीर समग्र निधि में अंशदान हेतु जागरूकता, पञ्च प्राण जागरूकता, पर्यावरण को बचाने हेतु जागरूकता एवं भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न लाभकारी योजनाओं इत्यादि के बारे में जय प्रकाश नें विस्तृत जानकारी देते हुए उपस्थित जन समुदाय व छात्र छात्राओं को जगरूक किया।

स्थानीय जानता ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र में समय समय पर विभिन्न प्रकार के कौशल विकास प्रशिक्षण चलाये जाने से युवाओं मे आत्मनिर्भरता बढ़ती हैं, जिससे वेरोजगारी कम होती है।

कार्यक्रम के दौरान 44 वाहिनी के कार्यवाक कमान्डेंट प्रदीप कुमार मेधी, अमित कुमार (उड) अंचल अधिकारी गौनाहा, अमित कुमार स्वच्छता प्रवेक्षक गौनहा, समवाय प्रभारी, बृजेश कुमार यादव प्रधानचार्य राजकीय मध्य विद्यालय गौनहा, रामा संस्थान के निदेशक देवेश पाण्डेय, ट्रेनर, प्रशिक्षु, अन्य बल कार्मिक सहित लगभग 280 लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने किया स्माल सेंटर कबड्डी खेल विधा के लिए प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

खेलो इंडिया योजना अंतर्गत ओमर बालिका उच्च विद्यालय विष्णुपुर में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। डीएम रोशन कुशवाहा ने मंगलवार की देर शाम ओमर बालिका उच्च विद्यालय विष्णुपुर, बेगूसराय के परिसर में खेलो इंडिया योजना अंतर्गत स्माल सेंटर कबड्डी खेल विधा के लिए प्रशिक्षण केंद्र का फीता काटकर और नारियल फोडकर शुभारंभ किया। कला-संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना तथा जिला प्रशासन बेगूसराय के संयुक्त तत्वाधान में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरीय उप समाहर्ता-सह-उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, बेगूसराय निशांत कुमार, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मो. अफरोज आलम, जिला खेल संयोजक विश्वजीत कुमार, शारीरिक शिक्षक अरविंद कुमार, चिरंजीव ठाकुर, ब्रजेश कुमार, रोशन कुमार, शशिकांत कुमार, अमन कुमार, रीतेश कुमार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के द्वारा चयनित कोच रीती कुमारी, कबड्डी प्रशिक्षक नव्या कुमारी, अंकिता कुमारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा ने स्मॉल सेंटर कबड्डी खेल विधा हेतु प्रशिक्षण केंद्र की शुरूआत को बेगूसराय जिले की खेल-संस्कृति के लिए अहम बताते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण केंद्र के प्रारंभ होने से जिले में कबड्डी खेल का और भी विस्तार होगा। इस दौरान उन्होंने वर्तमान में प्रशिक्षण के लिए चयनित बच्चों को सफलता-असफलता की चिंता किए बगैर प्रशिक्षण गंभीरता से प्राप्त करने की अपील की। इस क्रम में किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तत्काल वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराने का निर्देश दिया, ताकि चिन्हित समस्याओं का ससमय निदान हो सके। उन्होंने कहा कि विभागीय निदेर्शानुसार, कुल 30 खिलाड़ियों (15 बालक एवं 15 बालिका) को प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण केंद्र के लिए चयनित प्रशिक्षुओं को निःशुल्क प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रशिक्षण केंद्र पर ही निःशुल्क खिलाड़ियों की किट सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसी कड़ी में सभी चयनित प्रशिक्षुओं को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई है। इस अवसर पर वरीय उप समाहर्ता-सह-उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, बेगूसराय निशांत कुमार ने स्मॉल सेंटर कबड्डी खेल विधा हेतु प्रशिक्षण केंद्र के संचालन प्रारंभ होने पर यहां के खेल प्रेमियों को बधाइयां दी। उन्होंने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण केंद्र भविष्य में बेहतर परिणाम देने वाला साबित होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण हेतु कुल 20 बच्चों का चयन किया गया है। जिसे राज्य स्तर से प्रतिनियुक्त कोच रीती कुमारी के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। सुश्री रीती कुमारी ने प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षुओं को प्राप्त होने वाली सुविधाओं के संबध में भी विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य मो. अफरोज आलम एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी संबोधित किया तथा प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मौजूद चयनित कबड्डी खिलाड़ियों द्वारा इस खेल विधा का आयोजन किया गया।

संपादकीय

बेहतरी के लिए बहुत कुछ किया जाना शेष

हम बाल संरक्षण और बाल अधिकारों की बात तो करते हैं, सरकारें भी करती हैं; लेकिन इसे प्राथमिकता के तौर पर कोई नहीं लेता है। दरअसल, बच्चों के सर्वांगीण विकास की बात होनी चाहिए। बच्चे आज भी बाल श्रम, बाल यौन शोषण, बाल व्यापार, बाल विवाह, चाइल्ड पोर्नोग्राफी के शिकार हो रहे हैं। कठोर कानून तो हैं, लेकिन इसका क्रियान्वयन सतही तौर पर ही हो रहा है।

होटल, कल-कारखानों, ढाबा, परचून की दुकान पर काम करते हुए बच्चे, स्टेशन, चौराहे, सड़कों पर भीख मांगते बच्चें अक्सर आपको दिख जाएंगे। क्या कानून को अमल में लाने वाली एजेंसियों को ये सब नहीं दिखता है? क्या नीति निर्धारकों को ये बच्चे नहीं दिखते? क्या स्वयंसेवी संगठनों, सरकारों को ये बच्चे नहीं दिखते? वैसे, यह सब कुछ दिखते तो सभी को हैं, लेकिन उसका हल कैसे निकले; यह किसी की प्राथमिकता में नहीं है। अगर बच्चों का विकास प्राथमिकता में होता तो आजादी के इतने वर्षो बाद भी आज बच्चे प्राथमिक सरकारी स्कूलों में दरी टाट-पट्टी पर नहीं बैठते। यह बेहद अफसोस की बात है। 'बाल दिवस' पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। वो बच्चों से इतना प्यार करते थे कि बच्चे उन्हें 'चाचा' कहते थे।

वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी बच्चों से बहुत प्यार करते हैं। बच्चों को उनसे बहुत उम्मीदें हैं। बाल शिक्षा, बाल स्वास्थ्य, बाल पोषण, मनोरंजन बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर योजनाएं बनानी होंगी। ह्यसब पढ़े सब बढ़ेह्व की नीति पर चलना होगा। बाल श्रम, बाल यौन शोषण, बाल विवाह, भिक्षा वृत्ति, बाल व्यापार जब तक सब देश में बंद नहीं होगा तब तक बाल दिवस की सार्थकता नहीं है। आज भी बच्चे अपने लिए उम्मीद की किरण आंखों में लिए इस इंतजार में हैं कि विकास की रोशनी से इनके जीवन में भी उजाला हो सके। जीवन-यापन चलाने और अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए कई सारे बच्चे घर से कमाने निकल जाते हैं। इनके लिए आजीविका के साधन बहुत सीमित हैं, उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। कुछ अन्य काम की तलाश में घर-बार छोड़कर शहरों में पलायन कर जाते हैं। ऐसी परिस्थिति में बच्चे शिक्षा एवं विकास से वंचित रह जाते हैं, जिससे वो भी सुरक्षित और खुशहाल जीवन जी सकें।

वास्तव में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है जिससे निपटने के लिए सभी संबद्ध लोगों को मिल कर प्रयास करने की आवश्यकता है। भारत के संविधान में बच्चों तथा इनके अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया गया है। हमने संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समझौते का अनुमोदन किया है। हम चाहते हैं कि हमारे देश के सभी बच्चो को सुरक्षा और गरिमा के साथ जीने के लिए ऐसा सुरक्षित और ममताभरा माहौल मिले, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ सुनिश्चित हो कि सभी बच्चे स्कूल जाएं, उनका शोषण करने वालों को सजा देने के लिए उपयुक्त प्रभावी कानून का पालन हो। बच्चों के सामने मौजूद खतरों के बारे में समाज को जानकारी हो तथा सरकार के निर्वाचित जन-प्रतिनिधि और बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर कारगर ढंग से ध्यान दिया जाए ताकि उनकी बेबसी को कम किया जा सके।

बाल संरक्षण शब्द का उपयोग विभिन्न संगठन विभिन्न परिस्थितियों में और विभिन्न रूपों में करते हैं। इस शब्द का अर्थ होगा हिंसा, दुरुपयोग और शोषण से संरक्षण। सीधे शब्दों में कहे तो बाल संरक्षण का अर्थ प्रत्येक बच्चे के अधिकार को संरक्षण देना है ताकि उसे किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे। इसमें अन्य अधिकारों को भी बल मिलता है। अर्थात सुनिश्चित होता है कि बच्चों को वह सबकुछ प्राप्त हो जिसकी उन्हें जीवित रहने, विकसित होने और फलने-फूलने की आवश्यकता है। 2002 में बच्चों के बारे में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अधिवेशन में अनुमोदित 'अ वर्ल्ड फिट फॉर चिल्ड्रेन' (बच्चों के लायक दुनिया) घोषणा को साकार करने का संकल्प व्यक्त किया।

यह संकल्प ऐसी दुनिया के निर्माण का है, जिसमें सभी (लड़के और लड़कियां)बचपन का आनंद ले सकें..उन्हें भरपूर सम्मान और दुलार मिले..जिसमें उनकी सुरक्षा और खुशहाली सबसे पहले हो और जिसमें वे स्वस्थ, शांत और गरिमा के साथ खड़े हों। ये भावनाएं कानूनी मानदंडों से परे हैं। वि की हर संस्कृति में बच्चे सबके दुलारे होते हैं। फिर भी हम उनके संरक्षण में विफल रहते हैं। इसलिए जब तक समन्वित तरीके से हम सरकार, गैरसरकारी संगठन, आम अवाम एक होकर बच्चों की तरफ ध्यान नहीं देंगे तब तक हम बच्चों के अधिकार, संरक्षण, सुरक्षा, कल्याण, पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा से कोसों दूर रहेंगे। अभी भी हमें बहुत कुछ करने की जरूरत है। अब भी समय है, हम सभी लोग अपने दायित्वों को समझें और बाल दिवस के दिन यह संकल्प लें कि अपने आस-पास में बाल अधिकारों की रक्षा में पूरा योगदान देंगे।

मुद्दा विहीन नजर आ रहे हैं इस बार के विधानसभा चुनाव

क्रांति कुमार पाठक

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव अब अंतिम चरण में पहुंच रहा है और इसकी आंच में अब सियासत भी काफी गर्मा गई है। क्योंकि इन चुनावों को लोकसभा चुनाव से पहले का सेमीफाइनल माना जा रहा है। इसलिए राजनीतिक दलों ने विधानसभा चुनाव के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम और काम को आगे रखकर जनता के बीच पहुंच रही है तो वहीं, कांग्रेस इन चुनावों में बिल्कुल बदले तेवर के दिखाई पड़ रही है। उम्मीदवारों के चयन, चुनाव जीतने एवं सरकार बनाने को लेकर पूरी आक्रामकता है, लेकिन जनहित के मुद्दों पर गहरा सन्नाटा पसरा है। इन चुनावों में सबसे बड़ी विडम्बना जो हर बार की तरह इस बार भी देखने को मिल रही है, वह है इन चुनावों का मुद्दाविहीन होना और दलबदल की स्थितियों का बढ़-चढ़ कर सामने आना।

हर चुनाव में हम मुद्दों पर चर्चा करते हैं और इस बात पर चिंता व्यक्त करते हैं कि मूल मुद्दे हाशिए पर चले गए हैं और जो मुद्दे नहीं होने चाहिए वे बन गए हैं। इस बार भी इस तरह की टिप्पणियां आ रही हैं। हालांकि, यह मानना उचित नहीं है कि मूल मुद्दे चुनाव में नहीं हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें और विपक्ष सबके संदर्भ में जितने मुद्दे हैं वो जनता के समक्ष हैं तथा राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरीकों से सामने ला रही हैं। केंद्र और राज्यों की आर्थिक स्थिति, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार, राजनीतिक शुचिता, हिंदूत्व, सांप्रदायिकता बनाम सेक्युलरवाद से लेकर जातीय जनगणना मुद्दों के तौर पर सतह पर तैर रहे हैं। यह अलग बात है कि इनमें कौन मतदाता को प्रभावित करेगा, कितना करेगा और कौन नहीं, इसका आकलन जरा कठिन है।

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम एवं तेलंगाना में अब मतदाताओं के हाथ में राजनीतिक दलों और नेताओं के भाग्य की कुंजी आ गई है। इन चुनावों में भी हर बार की तरह इस बार भी जातिवादी जुनून, सांप्रदायिक कट्टरता और मतदाता को लुभाने-भरमाने की कोशिशें लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर रही है। चुनाव का समय सिटीजन ग्रुप्स से मिलकर, उनकी समस्याओं को सुनकर, उनके समाधान के लिये तत्पर होने का है, राजनीतिक दल अपनी जनता की मूलभूत समस्याओं के बारे में पूरी जानकारी लें फिर उन समस्याओं के समाधान का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए जनता से वोट मांगें। देखा जाए तो लोकतंत्र की असली अवधारणा भी यही है। लेकिन मौजूदा समय में धनबल और बाहुबल चुनावों में हावी होता जा रहा है, राजनीति कभी सेवा का जरिया हुआ करती थी। किन्तु आज व्यवसाय बनती जा रही है, यह चिंता का विषय है और इससे लोकतंत्र की जड़ें कमजोर हो रही हैं।

आजादी के अमृतकाल का यह पहला चुनाव है, चुनाव लोकतांत्रिक प्रणाली के आधार होते हैं। इसी लोकतंत्र के महाकुंभ में लोककल्याण की योजनाओं की चर्चा होती है। राजनैतिक दलों ने चुनावों के अवसर पर लोक कल्याणकारी नीतियां जनता के सामने रखने का प्रचलन शुरू किया जिसे घोषणापत्र कहा गया। हर चुनाव की अलग परिस्थितियां होती हैं अतः घोषणापत्र भी हर बार नये प्रस्तुत किये जाते हैं। लेकिन विडम्बना यह है कि इन घोषणा-पत्रों एवं विजीत दल की सरकार बन जाने के बाद उसकी नीतियों एवं योजनाओं में काफी अंतर आ जाता है। अतः मतदाता चुनाव के समय जागरूक होकर मतदान करे ताकि उनके साथ किये जाने वाले वायदे यथासंभव पूरे हों।

इन पांच राज्यों के चुनावों में मतदाता को दोहरी भूमिका निभानी होगी- घर के मालिक की भी और घर के पहरेदार की भी। मालिक के नाते उसका कर्तव्य होगा कि वह जनता के हितों के ठेकेदार कहलाने वालों को ठोक बजाकर देखे-परखे। और घर के पहरेदार के नाते उसका कर्तव्य बनता है कि वह सिर्फ जागे ही नहीं बल्कि सतत सावधान भी रहे। इसी जागरूकता और सावधानी का तकाजा है कि वह सत्ता में बैठने के इच्छुक लोगों की कथनी-करनी को विवेक के तराजू पर तोले। चूंकि उसे ही सबसे अधिक खोना और सबसे अधिक पाना है, इसलिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी उसी की है। इस जिम्मेदारी को मतदाता वैयक्तिक स्तर पर भी निभाएं- अपने आप से यह पूछकर कि उसके वोट देने का आधार क्या होगा। पहला निर्णय तो मतदाता को यह करना होगा कि उसे वोट देना ही है। फिर यह तय करना होगा कि वह 'गलत' के पक्ष में वोट नहीं देगा। जब प्रत्येक मतदाता अपने वोट का प्रयोग बहुत सोच-समझकर करेगा तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और तभी सशक्त भारत का निर्माण हो सकेगा।

राष्ट्र को समग्र दृष्टि से सशक्त एवं विकसित करना, बढ़ती आबादी की बढ़ती मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति करना किसी भी लोकतंत्र में चुनी गई सरकारों का मूल दायित्व होता है। ये चुनी हुई सरकारें जनता की मालिक नहीं होतीं, बल्कि उसकी नौकर होती हैं। क्योंकि जनता इन्हें केवल पांच साल के लिए ही देश की व्यवस्था चलाने एवं देश की विकास योजनाओं को आकार देने की जिम्मेदारी सौंपती है। इस दौरान चुनी हुई सरकारें अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों को चला कर जनता के प्रति मिले दायित्व को पूरा करने का प्रयास करती है। लोकतंत्र की बहुराजनैतिक प्रणाली में कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती है, यह भी इस व्यवस्था की खूबसूरती एवं मौलिकता होती है। इसके चलते ही हमने केन्द्र से लेकर विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों की सरकारें देखी हैं। प्रत्येक राजनैतिक दल के अपने कुछ मूलभूत सिद्धान्त होते हैं जिनके तहत वे सत्ता में आने पर लोक कल्याणकारी कदम उठाने का दावा करते हैं। ऐसा ही एक लोककल्याणकारी कदम था भारत में प्रत्येक व्यक्ति को दोनों वक्त भोजन करने का अधिकार देना। भले ही यह कदम डॉ. मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार ने उठाया, लेकिन इसकी प्रभावी क्रियान्विति 2020 में देश में कोरोना संक्रमण काल के समय मोदी सरकार ने की। तब लगभग 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह पांच किलो मुफ्त राशन देने की व्यवस्था की गई। अब इस योजना को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने पांच साल और आगे जारी रखने का फैसला किया है। इसका मतलब यह हुआ कि लोक कल्याणकारी नीतियां बनाना हर सरकार का प्राथमिक दायित्व होता है। मोदी सरकार ने ऐसी अनेक लोक कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है। प्रांतों में राजस्थान में अशोक गहलोत ने तो मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह सरकार ने भी ऐसी अनेक लोककल्याणकारी योजनाएं चुनाव सन्निकट आते देखकर शुरू की है, जिन्हें हम लोककल्याण से अधिक मुफ्त की रेवड़ियां कह सकते हैं।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिये अणुव्रत विश्व भारती एवं भारतीय मतदाता संगठन ने मतदाता जागरूकता अभियान चला रखा है। जिसका उद्देश्य है कि मतदाता को सोचने को विवश करना कि अपराधी हमारा वोट कैसे पा लेते हैं? राष्ट्र की धन-सम्पदा से खिलवाड़ करने वाले भ्रष्टाचारी हमारे आदर्श कैसे बन जाते है? क्यों हम भ्रष्टाचारियों, अवसरवादियों और अपराधियों को वोट देते हैं और फिर वे हम पर राज करते हैं? आखिर कब तक मूक दर्शक बनकर राष्ट्र को लूटता हुआ देखते रहेंगे? व्यक्ति और व्यवस्था के समवेत सुधार से ही समाज में बदलाव आ सकता है। व्यवस्था को संचालित करने वाले हाथ जब तक पवित्र नहीं होंगे, तब तक व्यवस्था को बदलना भी अपर्याप्त होगा। लोकतन्त्र को मजबूत बनाने के लिए योग्य प्रत्याशी का चयन जरूरी है। जिस तरह विभिन्न परीक्षाओं में मापदंड जरूरी होता है, उसी तरह राजनीति में भी योग्यता का मापदंड निश्चित होना चाहिए। वोट उसी को दें, जो ईमानदार हो, नाशमुक्त हो, जातिवादी जुनून और सांप्रदायिक कट्टरता से दूर हो तथा राष्ट्रीय एकता, मानवीय मूल्यों और सामाजिक सौहार्द में जिसका विश्वास हो। आने वाले चुनाव में मतदाता इतने सशक्त रूप में अपनी भूमिका को प्रस्तुत करें कि राजनीतिक दल चुनाव के बाद उसकी अनदेखी करने का दुस्साहस न कर सके।

दीपावली पर भारतीयों ने खरीदे मेड इन इंडिया उत्पाद, चीन को हुआ एक लाख करोड़ का घाटा

प्रह्लाद सबनानी

इस वर्ष दीपावली त्यौहार के धनतेरस के दिन भारतीयों ने विभिन्न उत्पादों की जमकर खरीद की है। भारतीय अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख लग गए हैं एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अब बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी कारण से वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में भारत की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर वित्तीय वर्ष 2023-24 के वृद्धिगत सकल घरेलू उत्पाद में भारत की भागीदारी 15 प्रतिशत के आसपास रह सकती है। भारत ने अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। भारत में आज आम आदमी की आमदनी बढ़ रही है, आम आदमी की तरक्की जारी है एवं इसे और अधिक बेहतर बनाने के प्रयास लगातार हो रहे हैं। इसी के चलते भारतीय बाजारों में दीपावली के पावन पर्व पर भारी भीड़ एवं रौनक दिखाई दे रही है। भगवान धन्वन्तरि भारतीय नागरिकों पर जैसे धन की वर्षा करते नजर आ रहे हैं। भारत में धनतेरस के दिन किसी भी प्रकार के उत्पाद की खरीददारी को शुभ माना जाता है। विशेष रूप से बर्तन, गहने, वाहन एवं मकान आदि भारी मात्रा में खरीदे जाते हैं। इस वर्ष भारतीय बाजारों में एक और शुभ संकेत दिखाई दे रहा है कि भारतीय नागरिक ह्लवोकल फोर लोकलह्व एवं ह्लआत्म निर्भर भारतह्व जैसे विचार से सहमत होते हुए केवल भारत में निर्मित वस्तुओं की जमकर खरीद कर रहे हैं। रीयल एस्टेट सेक्टर, कार डीलर्स, जौहरियों एवं किराना व्यवसायियों की तो जैसे लॉटरी ही लग गई है।

इस वर्ष दीपावली त्यौहार में बाजारों में उमड़ रही भीड़ अपने आप में भारत की आर्थिक शक्ति बनने की कहानी कह रही है। भारतीय ग्राहकों में उत्साह दिख रहा है। ग्राहकों का उत्साह देखकर कारोबारी एवं व्यापारी भी खुश नजर आ रहे हैं। कन्फेडरेशन आफ ऑल इंडिया ट्रेडर्ज एसोसीएशन के अनुसार, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में देश में 3.75 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ है। इस खरीद की विशेष बात यह रही है कि उपभोक्ताओं में चीन में निर्मित माल के स्थान पर भारत में ही निर्मित स्वदेशी सामान की जबरदस्त मांग देखने को मिली है। जबकि छठ पूजा एवं भैया दूज समेत अभी कई त्यौहार आना शेष है, इस प्रकार आगे आने वाले अन्य त्यौहारों के शुभ अवसर पर 50,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यापार होने की सम्भावना भी व्यक्त की गई है।

उक्त संस्थान ने 'भारतीय उत्पाद-सबका उस्ताद' नामक एक कैम्पेन भी भारत में, हाल ही में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम के दौरान, चलाया था, जिसका भारतीय नागरिकों पर जबरदस्त प्रभाव दिखाई दिया है। साथ ही इस वर्ष के त्यौहारी मौसम में चीन को लगभग एक लाख करोड़ रुपए के व्यापार का नुकसान हुआ है। क्योंकि, इसके पहले चीन में बनी वस्तुओं की भारतीय बाजारों में 70 प्रतिशत तक बिक्री होती थी परंतु इस वर्ष भारतीय बाजारों में स्वदेशी वस्तुओं की मांग इतनी अधिक थी कि चीन में निर्मित वस्तुओं की बिक्री बहुत ही कम हो गई है। इस वर्ष भारत में दीपावली से सम्बंधित सामान का चीन से आयात नहीं के बराबर हुआ है। एक अनुमान के अनुसार, इस 3.50 लाख करोड़ रुपए के व्यापार में 13 प्रतिशत खाद्य सामग्री एवं किराना की, 9 प्रतिशत ज्वेलरी की, 12 प्रतिशत टेक्स्टायल एवं गारमेंट की, 4 प्रतिशत ड्राई फ्रूट, मिठाई एवं नमकीन की, 3 प्रतिशत होम डेकोर की, 6 प्रतिशत कास्मेटिक्स की, 8 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मोबाइल की, 3 प्रतिशत भोजन सामग्री एवं पूजा वस्तुओं की, 3 प्रतिशत रसोई एवं बर्तन उपकरण की, 8 प्रतिशत गिफ्ट सामान की, 4 प्रतिशत फर्निशिंग एवं फर्निचर सामान की एवं 25 प्रतिशत ऑटोमोबील, हार्डवेयर सामान, खिलौने सहित अन्य अनेकों वस्तुओं एवं सेवाओं की भागीदारी रही है।

भारत में मकानों की बिक्री सम्बंधी आंकड़ों से भी आभास होता है कि भारत में मिडल एवं अपर मिडल क्लास वर्ग की संख्या बढ़ी है। रीयल एस्टेट से जुड़े कारोबारियों का मानना है कि इस वर्ष 1.5 लाख से अधिक लक्जरी और एफोर्डेबल घरों की बिक्री का रिकार्ड बन गया है। वर्ष 2023 की दीपावली के ठीक पूर्व के समय में 1.50 लाख घरों की बिक्री प्रदर्शित करती है कि भारत के नागरिकों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है। वर्ष 2022 की दीपावली के पूर्व 1.47 लाख घरों की बिक्री हुई थी और वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 1.14 लाख रहा था। जनवरी 2023 से सितम्बर 2023 तक की अवधि में भी भारत में 2.30 लाख लक्जरी और एफोर्डेबल घरों की बिक्री हुई थी, जो पिछले साल के मुकाबले 5 प्रतिशत अधिक है। रीयल एस्टेट में बूम का मतलब है कि भारत तेज गति से तरक्की कर रहा है। भारत में आम लोगों की जेब तक पैसा पहुंच रहा है। त्यौहारी सीजन में उछाल सिर्फ रीयल एस्टेट सेक्टर में ही नहीं है, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी लगभग इसी प्रकार का त्यौहारी वातावरण दिखाई दिया है। अक्टूबर 2023 में भारत में 3.90 लाख चार पहिया वाहनों की बिक्री हुई है। जबकि 19 लाख के करीब दोपहिया वाहन भी बिके हैं। नवम्बर 2023 के त्यौहारी मौसम में 4.25 लाख चार पहिया वाहन एवं 20 लाख दो पहिया वाहन बिकने का अनुमान लगाया गया है। इसी प्रकार, एक अन्य अनुमान के अनुसार धनतेरस 2023 के दिन भारत में 50,000 करोड़ रुपए के सोने के आभूषणों की बिक्री हुई है। पिछले वर्ष धनतेरस के दिन 45,000 करोड़ रुपए के सोने के आभूषणों की बिक्री हुई थी। इस प्रकार इस वर्ष सोने के आभूषणों की बिक्री में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। भारत में प्रत्येक क्षेत्र में विकास स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। नागरिकों की जेब में पैसा पहुंचा है तभी तो भारत में उक्त वर्णित समस्त क्षेत्रों में भारी तादाद में बिक्री सम्भव हो पा रही है।

शादी के मौसम की शुरूआत एवं नवरात्रि त्यौहार के शुरू होने के साथ ही भारत में त्यौहारी मौसम की शुरूआत हो जाती है। दिनांक 8 अक्टूबर से ऑनलाइन खुदरा बिक्री वेबसाइट फ्लिपकार्ट एवं अमेजोन, पर उत्पादों की बिक्री का विशेष त्यौहारी अभियान प्रारम्भ किया गया था और केवल चार दिन में ही केवल उक्त दो कम्पनियों की साइट पर 40,000 करोड़ रुपए का व्यापार कर लिया गया।

भारत के विकास की कहानी की यह तो शुरूआत भर है, आगे आने वाले समय में विकास की इस कहानी को और अधिक गति मिलने की सम्भावना है क्योंकि अभी तक तो केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे पूंजीगत खर्चों का प्रभाव ही इस विकास की कहानी पर दिखाई दे रहा है (केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय किया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 10 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय करने का लक्ष्य निर्धारित किया है) जबकि निजी क्षेत्र भी अब अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने जा रहा है क्योंकि विभिन्न कम्पनियां अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग कर रही हैं, अतः उन्हें विनिर्माण के क्षेत्र में नई इकाईयों की स्थापना निकट भविष्य में करनी ही होगी। साथ ही, विदेशी कम्पनियों के भी भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना किये जाने के सम्बंध में सहमति पत्र लगातार प्राप्त हो रहे हैं। इस प्रकार, आगे आने वाले समय में भारत में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित होने जा रहे हैं जिससे मिडल क्लास की संख्या में और अधिक तेज गति से विस्तार होगा और भारत में ही निर्मित उत्पादों की मांग और अधिक तेज होने जा रही है।

बिरसा मुंडा का जीवन व उनका उलगुलान सभी भारतीयों के लिए प्रेरणास्त्रोत है

प्रवीण गुगनानी

भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज को साथ लेकर उलगुलान किया था। उलगुलान अर्थात हल्ला बोल, क्रांति का ही एक देशज नाम। वे एक महान संस्कृतिनिष्ठ समाज सुधारक भी थे, वे संगीतज्ञ भी थे जिन्होंने सूखे कद्दू से एक वाद्ययंत्र का अविष्कार भी किया था जो अब भी बड़ा लोकप्रिय है। इसी वाद्ययंत्र को बजाकर वे आत्मिक सुख प्राप्त करते थे व दलित, पीड़ित समाज को संगठित करने का कार्य भी करते थे। ठीक वैसे ही जैसे भगवान श्रीकृष्ण अपनी बंशी से स्वांतः सुख व समाज सुख दोनों ही साध लेते थे। सूखे कद्दू से बना यह वाद्ययंत्र अब भी भारतीय संगीत जगत मे वनक्षेत्रों से लेकर बॉलीवुड तक बड़ी प्रमुखता से बनाया व बजाया जाता है। वस्तुतः बिरसा मुंडा की मूल कार्यशैली जनजातीय समाज को इसाइयों के धर्मांतरण से बचाने, अत्याचारों से समाज को बचाने, समाज मे व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने व शोषक वर्ग से समाज को बचाने की रही। भगवान बिरसा केवल जनजातीय समाज के नहीं अपितु समूचे ग्राम्य भारतीय समाज के नायक और रक्षक थे। भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण व अविभाज्य अंग रहा है जनजातीय समाज। मूलतः प्रकृति पूजक यह समाज सदा से भौतिकता, आधुनिकता व धनसंचय से दूर ही रहा है। बिरसा मुंडा भी मूलतः इसी जनजातीय समाज के थे। ह्लअबुआ दिशोम रे अबुआ राजह्व अर्थात अपनी धरती अपना राज का नारा दिया था वीर बिरसा मुंडा ने।

वीर शिरोमणि बिरसा का बलिदान दिवस यह स्मरण करने का अवसर है कि स्वतंत्र भारत मे अर्थात अबुआ दिशोम मे जनजातीय व वनवासी बंधुओं के साथ व उनकी संस्कृति के साथ क्या क्या षड्यंत्र हो रहे हैं? षड्यंत्र का सबसे बड़ा उदाहरण है समूचे भारत मे फैलाया जा रहा आर्य व अनार्य का विघटनकारी वितंडा और मूलनिवासी दिवस की विशुद्ध भ्रांतिपूर्ण अवधारणा। तथ्य यह है कि भारत मे जनजातीय समाज व अन्य जातियों की आकर्षक विविधता को विघ्नसंतोषी विघटनकारियों ने आर्य-अनार्य का वितंडा बना दिया। कथित तौर पर आर्य कहे जाने वाले लोग भी भारत मे उतने ही प्राचीन हैं जितने कि अनार्य का दर्जा दे दिये गए जनजातीय समाज के लोग। वस्तुतः वनवासी समाज को अनार्य और मूलनिवासी कहना ही एक अपशब्द की भांति है, क्योंकि आर्य का अर्थ होता है सभ्य व अनार्य का अर्थ होता है असभ्य। सच्चाई यह है कि भारत का यह वनवासी समाज पुरातन काल से ही सभ्यता, संस्कृति, कला, निर्माण, राजनीति, शासन व्यवस्था, उत्पादकता और सबसे बड़ी बात राष्ट्र व समाज को उपादेयता के विषय मे किसी भी शेष समाज के संग कदम से कदम मिलाकर चलता रहा है व अब भी चल रहा है।

यह तो अब सर्वविदित ही है कि इस्लाम व ईसाइयत दोनों ही विस्तारवादी धर्म हैं व अपने विस्तार हेतु इन्होने अपने धर्म के परिष्कार, परिशोधन के स्थान पर षड्यन्त्र, कुतर्क, कुचक्र व हिंसा का ही उपयोग किया है। अपने इसी लक्ष्य की पूर्ति हेतु पश्चिमी विद्वानों ने भारतीय जातियो मे विभेद उत्पन्न करना उत्पन्न किया व द्रविड़ों को भारत का मूलनिवासी व आर्यों को बाहरी आक्रमणकारी कहना प्रारंभ किया। संस्कृत के कथित ज्ञाता मेक्समूलर ने आर्यन इन्वेजन थ्योरी का अविष्कार किया। मेक्समूलर ने लिखा कि आर्य एक सुसंस्कृत, शिक्षित, बड़े विस्तृत धर्म ग्रन्थों वाली, स्वयं की लिपि व भाषा वाली घुमंतू किंतु समृद्ध जाति थी। इस प्रकार मैक्समूलर ने आर्य इंवेजन थ्योरी के सफेद झूठ का पौधा भारत मे बोया जिसे बाद मे अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने एक बड़ा वृक्ष बना दिया। यद्यपि बाद में 1921 में हड़प्पा व मोहनजोदाड़ो सभ्यता मिलने के बाद आर्यन थ्योरी को बड़ा धक्का लगा किंतु अंग्रेजों ने अपनी शिक्षा पद्धति, झूठे इतिहास लेखन व षड्यन्त्र के बल पर इस थ्योरी को जीवित रखा। सबसे बड़ी खेद की बात यह है कि अंग्रेजों के जाने के पश्चात भारत मे एक बड़ा वर्ग ऐसा जन्मा जो कहने को तो भारतीय संतति ही है किंतु उसकी मानसिकता भारत विरोधी है। यह वर्ग सेकुलर, नक्सलवादी, माओवादी, बुद्धिजीवी, प्रगतिशील, जनवादी, आदि आदि नामों से आपको यहाँ वहाँ समाज सेवा के नाम पर समाज व देश को तोड़ते हुये बड़ी सहजता से मिल जाएगा। सिंधु घाटी सभ्यता की श्रेष्ठता को छुपाने व आर्य द्रविड़ के मध्य विभाजन रेखा खींचने की यह कथा बहुत विस्तृत चली व अब भी इस कथित विघ्नसंतोषी वर्ग द्वारा चलाई जा रही है, आज आवश्यकता इस बात की है कि वनवासी समाज में घुसपैठ कर रहे इस कालनेमी वर्ग को पहचानना और उनके देशविरोधी, समाज विरोधी चरित्र पर ढके हुये छद्म आवरण को हटाना।

कथित तौर पर जिन्हे आर्य व द्रविड़ अलग-अलग बताया गया उन दोनों का डीएनए परस्पर समान पाया गया है। दोनों ही शिव के उपासक हैं। एन्थ्रोपोलाजिस्ट वारियर एलविन ने जनजातीय समाज पर किए अध्ययन मे बताया था कि ये कथित आर्य और द्रविड़ शैविज्म के ही एक भाग है और गोंडवाना के आराध्य शंभूशेक भगवान शंकर का ही रूप हैं। माता शबरी, निषादराज, सुग्रीव, अंगद, सुमेधा, जांबवंत, जटायु आदि आदि सभी जनजातीय बंधु भारत के शेष समाज के संग वैसे ही समरस थे जैसे दूध मे शक्कर समरस होती है। प्रमुख जनजाति गोंड व कोरकू भाषा का शब्द जोहारी रामचरितमानस के दोहा संख्या 320 में भी प्रयोग हुआ है। मेवाड़ में किया जाने वाला लोक नृत्य गवरी व वोरी भगवान शिव की देन है जो कि समूचे मेवाड़ी हिंदू समाज व जनजातीय समाज दोनों के द्वारा किया जाता है। बिरसा मुंडा, टंटया भील, रानी दुर्गावती, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, अमर शहीद बुधू भगत, जतरा भगत, लाखो बोदरा, तेलंगा खड़िया, सरदार विष्णु गोंड आदि आदि कितने ही ऐसे वीर जनजातीय बंधुओं के नाम हैं जिनने अपना सर्वस्व भारत देश की संस्कृति व हिंदुत्व की रक्षा के लिये अर्पण कर दिया।

जब गजनी से विदेशी आक्रांता हिंदू आराध्य सोमनाथ पर आक्रमण कर रहा था तब अजमेर, नाडोल, सिद्ध पुर पाटन, और सोमनाथ के समूचे प्रभास क्षेत्र में हिंदू धर्म रक्षार्थ जनजातीय समाज ने एक व्यापक संघर्ष खड़ा कर दिया था। गौपालन व गौ सरंक्षण का संदेश बिरसा मुंडा जी ने भी समान रूप से दिया है। और तो और क्रांतिसूर्य बिरसा मुंडा का ह्लउलगुलानह्व संपूर्णतः हिंदुत्व आधारित ही है। ईश्वर यानी सिंगबोंगा एक है, गौ की सेवा करो एवं समस्त प्राणियों के प्रति दया भाव रखो, अपने घर में तुलसी का पौधा लगाओ, ईसाइयों के मोह जाल में मत फंसो, परधर्म से अच्छा स्वधर्म है, अपनी संस्कृति, धर्म और पूर्वजों के प्रति अटूट श्रध्दा रखो, गुरुवार को भगवान सिंगबोंगा की आराधना करो व इस दिन हल मत चलाओ यह सब संदेश भगवान बिरसा मुंडा ने दिये हैं। जिन्हे आर्य कहा गया वे और वे जिन्हे अनार्य कहा गया वे, दोनों ही वन, नदी, पेड़, पहाड़, भूमि, गाय, बैल, सर्प, नाग, सूर्य, अग्नि आदि की पूजा हजारों वर्षों से करते चले आ रहे हैं।

आज जयंती पर नमन क्रांतिसुर्य बिरसा मुंडा को जिन्होंने हमारे संपूर्ण हिंदू समाज को विदेशी आक्रांताओं के अत्याचारों व धर्म परिवर्तन से न केवल बचाया बल्कि हमें कई अद्भुत परंपराओं से बांधकर एक समाज समरस नागरिक होने की प्रेरणा दी।

क्या प्रशांत महासागर क्षेत्र के देशों में भी चीन के प्रति नाराजगी पनप रही है?

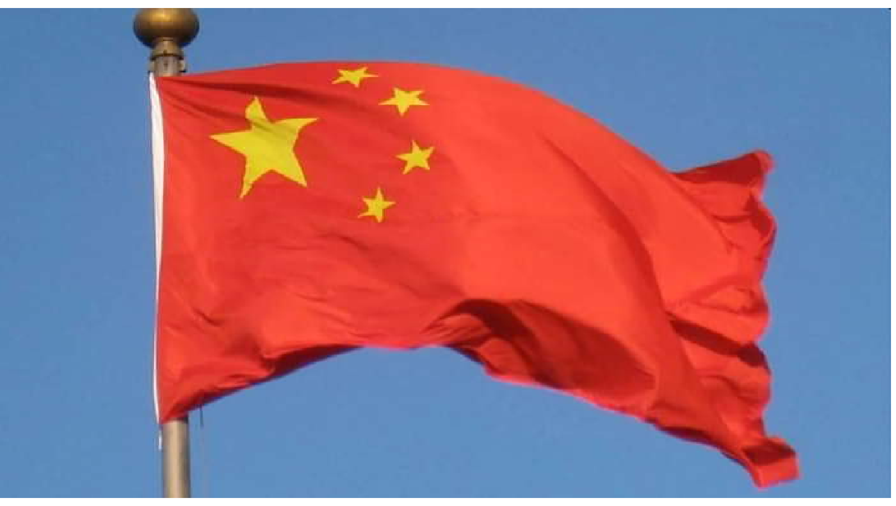

चीन ने हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में तेजी से अपने कदम जमाए हैं क्योंकि वह अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ पारंपरिक रूप से मजबूत संबंध रखने वाले कई देशों पर अपना प्रभाव छोड़ने और उन्हें चुनौती पेश करने के प्रयास कर रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रशांत महासागर के आसपास पड़ने वाले देशों के लोग क्षेत्र में चीन के हितों के विस्तार और गतिविधियों के बारे में क्या सोचते हैं। यह पता लगाने के लिए हाल ही में दो देशों पापुआ न्यू गिनी और सोलोमन द्वीपसमूह में सर्वे किए गये, जहां चीन ने हाल के वर्षों में अपना प्रभाव बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। हम आपको बता दें कि दोनों देशों ने ह्रसभी के मित्र और किसी से शत्रुता नहींह्व की विदेश नीति अपनाई है।

पापुआ न्यू गिनी क्षेत्र में चीन का प्रमुख कूटनीतिक और व्यापार साझेदार है। प्रधानमंत्री जेम्स मरापे ने हाल ही में चीन की यात्रा की, जहां उन्होंने और चीन के नेताओं ने अपने प्रगाढ़ होते आर्थिक व सुरक्षा संबंधों पर चर्चा की। इस दौरान साझा मुद्रा व्यापार समझौते को लेकर भी चर्चा हुई। इस बीच, सोलोमन द्वीपसमूह ने ताइवान को दी गई राजनयिक मान्यता सितंबर 2019 में रद्द कर दी, जिसके बाद से चीन के साथ उसके संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं। चीन ने प्रधानमंत्री एम सोगावरे की सरकार के साथ व्यापार, कृषि, स्वास्थ्य, मत्स्य पालन और पुलिस आदि को लेकर सहयोग बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किए हैं।

पहले सर्वेक्षण में पापुआ न्यू गिनी में चीन के स्वामित्व वाली रामू नीको परियोजना की कॉपोरेट सामाजिक जिम्मेदारियों का आकलन उन लोगों की नजर से करने की कोशिश की गई जो फिलहाल मदांग प्रांत में रह रहे हैं या रह चुके हैं, जहां यह परियोजना है। हमने कुल मिलाकर 100 लोगों की प्रतिक्रिया ली, जिनमें मुख्यतः डिवाइन वर्ड यूनिवर्सिटी के वर्तमान और पूर्व छात्र एवं कर्मचारी शामिल थे। वर्ष 2019 में, निकेल खदान संचालक को गलती से प्रांत की एक खाड़ी में लगभग 200,000 लीटर जहरीला घोल छोड़ने के लिए माफी मांगनी पड़ी थी। उत्तरदाताओं में से ज्यादातर (98 प्रतिशत) ने कहा कि वे पर्यावरण प्रदूषण के बारे में चिंतित हैं, जबकि लगभग 60 प्रतिशत लोगों ने कहा कि खदान परियोजना से पापुआ न्यू गिनी को कोई लाभ नहीं हुआ है।

लोगों से सवाल किया गया कि क्या वह चीन के स्वामित्व वाली कंपनी रामू निको को परियोजना की मंजूरी देने के पिछली सरकार के फैसले का समर्थन करते हैं, तो 70 प्रतिशत ने ह्लनहींह्व जवाब दिया। हालांकि, खनन पट्टे के क्षेत्र में रहने वाले लोग ह्यरॉयल्टीह्ल या सहायक कारोबार के रूप में सीधे वित्तीय लाभ के कारण परियोजना के बारे में अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। 72 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वे पापुआ न्यू गिनी सरकार द्वारा चीन के साथ संबंध प्रगाढ़ बनाने का समर्थन करते हैं।

दूसरे सर्वेक्षण में पापुआ न्यू गिनी के 78 छात्रों से बात की गई, जिन्हें चीन सरकार की ओर से छात्रवृत्ति मिली थी। अधिकांश उत्तरदाताओं (87 प्रतिशत) ने कहा कि वे अपने दोस्तों को इस छात्रवृत्ति कार्यक्रम के बारे में बताएंगे। चीन में पढ़ाई करने से देश के बारे में उनकी धारणा भी बदलती दिखाई दी है। इन छात्रों के चीन जाने से पहले, उन्हें पश्चिमी देशों की राजनीतिक प्रणालियों की तुलना में चीनी राजनीतिक प्रणाली को एक से पांच के पैमाने पर (बहुत कम प्रभाव से बहुत उच्च प्रभाव तक) स्कोर करने के लिए कहा गया था। छात्रों ने विदेश में अध्ययन से पहले चीन की प्रणाली को पांच में से 3.45 का औसत स्कोर दिया। कार्यक्रम शुरू करने और कुछ समय तक चीन में रहने के बाद, यह औसत स्कोर बढ़कर 4.01 हो गया।

तीसरे सर्वेक्षण के लिए, सोलोमन नेशनल यूनिवर्सिटी के 93 छात्रों से चीन और अमेरिका व ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के बारे में उनके विचारों पर चर्चा की गयी। उत्तरदाताओं में से दो-तिहाई चीन और सोलोमन द्वीप के बीच घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों के समर्थक थे, लेकिन अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंधों के लिए समर्थन और भी अधिक (76 प्रतिशत) था। सोलोमन द्वीप में लगभग 80 प्रतिशत छात्रों ने चीन की ह्यबेल्ट और रोडह्ल परियोजनाओं का भी समर्थन किया। एक प्रतिभागी ने लिखा, ह्लवे हमारी सड़कों के निर्माण और रखरखाव में बहुत सहायक हैंह्व हालांकि करीब 20 प्रतिशत प्रतिभागियों का दृष्टिकोण अधिक नकारात्मक था। उदाहरण के लिए, एक छात्र ने कहा, ह्लउनका उद्देश्य हमारी सरकार के लिए ऋण जोखिम पैदा करना है और इससे चीन का हमारे संपूर्ण संसाधनों पर नियंत्रण हो जाएगा।

हिन्दू भाई-बहन के पवित्र प्यार का पर्व है भैया दूज

ललित गर्ग

हिन्दू समाज में भाई-बहन के पवित्र रिश्तों का प्रतीक पर्व है यह भैया दूज पर्व। दीपावली पांच पर्वों का संगम है, उसी से जुड़ा है यह पर्व। एक ऐसा पर्व जो घर-घर मानवीय रिश्तों में नवीन ऊर्जा का संचार करता है। बहनों में उमंग और उत्साह को संचरित करता है, वे अपने प्यारे भाइयों के टीका लगाने को आतुर होती हैं। बेहद शालीन और सात्विक यह पर्व सदियों पुराना है। इस पर्व से भाई-बहन ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवीय संवेदनाओं का गहरा नाता रहा है। भाई और बहन के रिश्ते को यह फौलाद-सी मजबूती देने वाला है। आदर्शों की ऊंची मीनार है। सांस्कृतिक परंपराओं की अद्वितीय कड़ी है। रीति-रिवाजों का अति सम्मान है। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को फिर स्थापित करने, एक श्रेष्ठ और मूल्यनिष्ठ समाज एवं परिवार की स्थापना करने, पूरे विश्व को एकता, सौहार्द एवं प्रेम के सूत्र में बांधने तथा सभी मनुष्यों को पवित्रता के संकल्प में बंधकर हर एक को इसकी पहल करने का अलौकिक संदेश देता है भैया दूज का पर्व।

भैया दूज भारत में कई जगह अलग-अलग नामों के साथ मनाई जाती है। बिहार में भिन्न रूप में मनाया जाता है, जहां बहनें भाईयों को खूब कोसती हैं फिर अपनी जबान पर कांटा चुभाती हैं और क्षमा मांगती हैं। भाई अपनी बहन को आशीष देते हैं और उनके मंगल के लिए प्रार्थना करते हैं। गुजरात में यह भाई बीज के रूप में तिलक और आरती की पारंपरिक रस्म के साथ मनाया जाता है।

महाराष्ट्र और गोवा के मराठी भाषी समुदाय के लोग भी इसे भाई बीज के तौर पर मनाते हैं। यहां बहने फर्श पर एक चैकोर आकार बनाती हैं, जिसमें भाई करीथ नाम का कड़वा फल खाने के बाद बैठता है। भैया दूज के बहाने स्वजनों और भाइयों से भेंट की भावना छिपी होती थी। सभी शादीशुदा लड़कियां अपने ससुराल में भाई को बुलाती है और खूब सत्कार करती है।

बहन के द्वारा भाई की रक्षा के लिये मनाये जाने वाले इस पर्व को हिन्दू समुदाय के सभी वर्ग के लोग हर्ष उल्लास से मनाते हैं। इस पर्व पर जहां बहनें अपने भाई को टीका लगाकर उनके जीवन रक्षा, दीघार्यु व सुख समृद्धि की कामना करती हैं तो वहीं भाई भी सगुन के रूप में अपनी बहन को उपहार स्वरूप कुछ भेंट देने से नहीं चूकते। यह पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। पारिवारिक सुदृढ़ता, सांस्कृतिक मूल्य एवं आपसी सौहार्द के लिये त्यौहारों का विशेष महत्व है। इन्हीं त्यौहारों में भाई-बहन के आत्मीय रिश्ते को दशार्ता है यह एक अनूठा त्यौहार। इस पर्व के पीछे यही संदेश है कि भाई-बहन के संबंध में पवित्रता, स्नेह, प्रेम, सहयोग, सौहार्द एवं अहिंसा की जैसी पवित्र भावना है, चह भावना हमें सभी मनुष्यजनों तथा सभी प्राणियों के प्रति धारण करनी चाहिए। ऐसे आचरण से ही इंसान इंसान बन सकता है। भैया दूज का आध्यात्मिक महात्म्य भूलने के कारण ही मयार्दाओं का दायरा सिकुड़ रहा है, महिलाओं एवं बहनों पर अत्याचार-व्यभिचार बढ़ रहे हैं। आज भाईयों की बहनों के प्रति रक्षा भावना एवं आत्मीयता कमजोर होती जा रही है। इसलिये समय की मांग है कि हम भैया दूज के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महात्म्य को जाने और उसे अपने जीवन में दृढ़तापूर्वक अपनाएं। तभी हमारे भीतर व्याप्त आसुरी प्रवृत्तियों का नाश हो सकता है और समाज में सच्ची शांति, प्रेम, सौहार्द एवं विश्वबंधुत्व की भावना का पुनः संचार हो सकता है।

इस त्यौहार को मनाने के पीछे की ऐतिहासिक कथा भी निराली है। पौराणिक आख्यान के अनुसार भगवान सूर्य नारायण की पत्नी का नाम छाया था। उनकी कोख से यमराज तथा यमुना का जन्म हुआ था। यमुना यमराज से बड़ा स्नेह करती थी। यमुना ने अपने भाई यमराज को आमंत्रित किया कि वह उसके घर आकर भोजन ग्रहण करें, किन्तु व्यस्तता के कारण यमराज उनका आग्रह टाल जाते थे। यमराज ने सोचा कि मैं तो प्राणों को हरने वाला हूं। मुझे कोई भी अपने घर नहीं बुलाना चाहता। बहन जिस सद्भावना से मुझे बुला रही है, उसका पालन करना मेरा धर्म है। बहन के घर आते समय यमराज ने नरक निवास करने वाले जीवों को मुक्त कर दिया। यमराज को अपने घर आया देखकर यमुना की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने स्नान कर पूजन करके व्यंजन परोसकर भोजन कराया। यमुना द्वारा किए गए आतिथ्य से यमराज ने प्रसन्न होकर बहन को वर दिया कि जो भी इस दिन यमुना में स्नान करके बहन के घर जाकर श्रद्धापूर्वक उसका सत्कार ग्रहण करेगा उसे व उसकी बहन को यम का भय नहीं होगा। तभी से लोक में यह पर्व यम द्वितीया के नाम से प्रसिद्ध हो गया। भाइयों को बहनों टीका लगाती है, इस कारण इसे भातृ द्वितीया या भाई दूज भी कहते हैं।

इस पूजा में भाई की हथेली पर बहनें चावल का घोल लगाती हैं। उसके ऊपर सिन्दूर लगाकर कद्दू के फूल, पान, सुपारी मुद्रा आदि हाथों पर रखकर धीरे-धीरे पानी हाथों पर छोड़ते हुए मंत्र बोलती हैं कि ह्यगंगा पूजे यमुना को यमी पूजे यमराज को, सुभद्रा पूजा कृष्ण को, गंगा यमुना नीर बहे, मेरे भाई की आयु बढ़ेह्ल। एक और मंत्र है- ह्यसांप काटे, बाघ काटे, बिच्छू काटे जो काटे सो आज काटेह्ल इस तरह के मंत्र इसलिए कहे जाते हैं क्योंकि ऐसी मान्यता है कि आज के दिन अगर भयंकर पशु भी काट ले तो यमराज भाई के प्राण नहीं ले जाएंगे। संध्या के समय बहनें यमराज के नाम से चौमुख दीया जलाकर घर के बाहर रखती हैं।

इस दिन एक विशेष समुदाय की औरतें अपने आराध्य देव चित्रगुप्त की पूजा करती है। स्वर्ग में धर्मराज का लेखा-जोखा रखने वाले चित्रगुप्त का पूजन सामूहिक रूप से तस्वीरों अथवा मूर्तियों के माध्यम किया जाता हैं। वे इस दिन कारोबारी बहीखातों की पूजा भी करते हैं। ऐसी भी मान्यता है कि यदि बहन अपने हाथ से भाई को भोजन कराये तो भाई की उम्र बढ़ती है और जीवन के कष्ट दूर होते हैं। इस दिन बहनें भाइयों को चावल खिलाती है। यदि कोई बहन न हो तो गाय, नदी आदि स्त्रीत्व का ध्यान करके अथवा उसके समीप बैठ कर भोजन कर लेना भी शुभ माना जाता है।

भैया दूज के बारे में प्रचलित कथाएं सोचने पर विवश कर देती हैं कि कितने महान उसूलों और मानवीय संवेदनाओं वाले थे वे लोग, जिनकी देखादेखी एक संपूर्ण परंपरा ने जन्म ले लिया और आज तक बदस्तूर जारी है। आज परंपरा भले ही चली आ रही है लेकिन उसमें भावना और प्यार की वह गहराई नहीं दिखायी देती। अब उसमें प्रदर्शन का घुन लग गया है। पर्व को सादगी से मनाने की बजाय बहनें अपनी सज-धज की चिंता और तिलक के बहाने कुछ मिलने के लालच में ज्यादा लगी रहती हैं। भाई भी उसकी रक्षा और संकट हरने की प्रतिज्ञा लेने की बजाय जेब हल्की कर इतिश्री समझ लेता है। अब भैया दूज में भाई-बहन के प्यार का वह ज्वार नहीं दिखायी देता जो शायद कभी रहा होगा। इसलिए आज बहुत जरूरत है दायित्वों से बंधे भैया दूज पर्व का सम्मान करने की। क्योंकि भैया दूज महज तिलक लगाने एवं उपहार देने की परंपरा नहीं है। लेन-देन की परंपरा में प्यार का कोई मूल्य भी नहीं है। बल्कि जहां लेन-देन की परंपरा होती है वहां प्यार तो टिक ही नहीं सकता। ये कथाएं बताती हैं कि पहले खतरों के बीच फंसे भाई की पुकार बहन तक पहुंचती तो बहन हर तरह से भाई की सुरक्षा के लिये तत्पर हो जाती। आज घर-घर में ही नहीं बल्कि सीमा पर भाई अपनी जान को खतरे में डालकर देश की रक्षा कर रहे हैं, उन भाइयों की सलामती के लिये बहनों को प्रार्थना करनी चाहिए तभी भैया दूज का यह पर्व सार्थक बन पड़ेगा और भाई-बहन का प्यार शाश्वत एवं व्यापक बन पायेगा।

टीम इंडिया की फाइनल में एंट्री, न्यूजीलैंड को 70 रनों से हराया

मुंबई। भारतीय टीम ने 2019 की कड़वी यादों को मिठास में बदलते हुए वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में एंट्री कर ली है। इस दौरान भारत ने न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में 70 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम 12 साल बाद फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई है।

भारत ने न्यूजीलैंड से 2019 वर्ल्ड कप का बदला ले लिया है। भारतीय टीम ने 2019 की कड़वी यादों को मिठास में बदलते हुए वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में एंट्री कर ली है। इस दौरान भारत ने न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में 70 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम 12 साल बाद फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट कोहली और श्रेयस अय्यर के शतक की बदौलत 50 ओवर में 4 विकेट खोकर 397 रन बनाए। इसके जवाब में डेरिल मिचेल के शतक बेकार गया और कीवी टीम 48.4 ओवर में 327 रन पर ही सिमट गई।

बता दें कि, भारत के लिए मोहम्मद शमी ने 7 विकेट झटके। भारत ने इससे पहले 2011 वर्ल्ड के फाइनल में जगह बनाई थी, जहां उसने श्रीलंका को खिताबी मुकाबले में हराया था। इसके बाद 2015 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था, जबकि 2019 में न्यूजीलैंड से उसे हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की बात करें तो, भारत द्वारा दिए गए विशाल 398 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। दोनों सलामी बल्लेबाजों को शमी ने पावरप्ले में आउट किया। कॉनवे 13 ओर रचिन रविंद्र 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। इसके बाद केन विलियमसन और डेरिल मिचेल के बीच तीसरे विकेट के लिए 149 गेंद में 181 रन की साझेदारी हुई। मोहम्मद शमी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर भारत की वापसी कराई। विलियमसन 73 गेंदों में 69 रन बनाकर आउट हुए। वहीं इसके बाद टॉम लैथम बिना खाता खोले ही आउट हो गए। डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स के बीच 75 रन की साझेदारी हुई। फिलिप्स बुमराह के शिकार बने इस दौरान उन्होंने 33 गेंद में 41 रन की पारी खेली।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए, निर्धारित 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 397 रन बनाए। इस दौरान भारत के लिए विराट कोहली ने 117 रन बनाए। विराट कोहली ने इस शतक की बदौलत महान सचिन तेंदुलकर के वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के रिकॉर्ड को तोड़ा है। विराट कोहली का ये वनडे में 50वां शतक है। इस दौरान उन्होंने कई रिकॉर्ड तोड़े और कई रिकॉर्ड अपने नाम भी किए।

कोहली के अलावा श्रेयस अय्यर ने 105 रन की बेहतरीन पारी खेली। अय्यर ने वर्ल्ड कप में अपना दूसरा शतक जड़ा। रोहित शर्मा ने 47 रन बनाए, शुबमन गिल 79 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए।

बाबर आजम ने तीनों प्रारूप की कप्तानी से दिया इस्तीफा, कहा- यह फैसले का सही समय है

बाबर आजम ने पाकिस्तान की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बुधवार को एक नोट के जरिये इस्तीफा दिया। इसमें उन्होंने लिखा कि यह फैसला लेने का सही समय है।

बाबर ने अपने नोट में लिखा- मुझे वह क्षण अच्छी तरह से याद है जब मुझे 2019 में पाकिस्तान का नेतृत्व करने के लिए पीसीबी से कॉल आया था। पिछले चार वर्षों में मैंने मैदान पर और बाहर कई उतार-चढ़ाव का अनुभव किया है, लेकिन मैंने पूरे दिल से और पूरी लगन से पाकिस्तान के गौरव और सम्मान को बनाए रखने का लक्ष्य रखा है। क्रिकेट की दुनिया में टेस्ट में पाकिस्तान को नंबर एक स्थान पर पहुंचाना खिलाड़ियों, कोचों और प्रबंधन के सामूहिक प्रयासों का परिणाम था, लेकिन मैं इस यात्रा के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों के अटूट समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

बाबर ने लिखा- आज, मैं सभी प्रारूपों में पाकिस्तान के कप्तान के रूप में पद छोड़ रहा हूं। यह एक कठिन निर्णय है, लेकिन मुझे लगता है कि यह इस फैसले के लिए सही समय है। मैं तीनों प्रारूपों में एक खिलाड़ी के रूप में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना जारी रखूंगा। मैं अपने अनुभव और समर्पण से नए कप्तान और टीम का समर्थन करने के लिए यहां हूं। मुझे यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूं।

विराट ने लगाया शतकों का अर्धशतक, सचिन के सामने उनके घरेलू मैदान पर तोड़ा उनका रिकॉर्ड

विश्व कप 2023 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच सेमीफाइनल में विराट कोहली ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने वनडे करियर का 50वां शतक लगाया। अब वह वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में विराट ने महान सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। सचिन खुद इस मैच को देखने के लिए वानखेड़े में मौजूद हैं। कोहली ने उनके सामने उनके घर में सबसे ज्यादा शतक का रिकॉर्ड अपने नाम किया। सचिन ने 452 वनडे पारियों में 49 शतक लगाए थे। वहीं, कोहली ने 279वीं पारी में 50 शतक लगा दिए हैं। कोहली ने 113 गेंद में 117 रन की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने नौ चौके और दो छक्के लगाए। कोहली को साउदी ने कॉन्वे के हाथों कैच कराया।

विराट ने किसी एक विश्व कप में सबसे ज्यादा 50+ के स्कोर का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। यह उनका इस विश्व कप में आठवां 50+ का स्कोर है। इससे पहले सचिन ने 2003 विश्व कप में और शाकिब अल हसन ने 2019 में सात-सात बार 50+ का स्कोर बनाया था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50+ के स्कोर के मामले में भी विराट संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। विराट ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 217 बार 50+ का स्कोर बनाया है। इस मामले में उन्होंने रिकी पोंटिंग की बराबरी की। वहीं, सचिन तेंदुलकर ने 264 बार ऐसा किया था।

इससे पहले विराट ने इस मैच में 80 रन बनाते ही किसी एक विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने का सचिन का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। सचिन ने 2003 विश्व कप में 673 रन बनाए थे। वहीं, विराट ने 80 रन बनाते ही 711 रन बना लिए और सचिन को पीछे छोड़ दिया। विराट ने 2019 विश्व कप में लगातार सबसे ज्यादा बार 50+ का स्कोर बनाने के मामले में भी सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा था। सचिन ने 1996 और 2003 विश्व कप में लगातार चार-चार बार पचास से ज्यादा का स्कोर किया था। वहीं, विराट कोहली 2019 विश्व कप में लगातार पांच बार ऐसा किया था। श्रेयस ने इस विश्व कप में लगातार चौथी बार 50+ का स्कोर करके सचिन की बराबरी की। विराट कोहली का यह विश्व कप में पांचवां शतक रहा। वह वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है। रोहित ने विश्व कप में सात शतक लगाए हैं। वहीं, सचिन और डेविड वॉर्नर ने छह-छह शतक लगाए हैं। रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा और विराट ने पांच-पांच शतक लगाए हैं।

भारत बनाम न्यूजीलैंड मैच के दौरान रणबीर कपूर ने रोहित शर्मा की तारीफ की

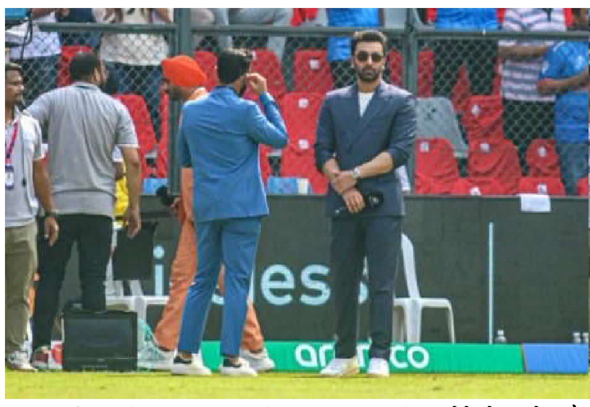

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में भारत बनाम न्यूजीलैंड मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और भारतीय टीम की जमकर तारीफ की। अपनी फिल्म 'एनिमल' का प्रमोशन कर रहे रणबीर ने रोहित शर्मा के बारे में बात करते हुए कहा, "मैं एक व्यक्ति के रूप में रोहित शर्मा के बारे में बात करना चाहूंगा। आप जानते हैं, जब भी मैं इंटरव्यू के दौरान उन्हें सुनता हूं, उनकी रील देखता हूं या टीम के साथ उनकी तस्वीरें देखता हूं, तो मुझे ऐसा लगता है कि वह बहुत पसंद करने योग्य व्यक्ति हैं।"

एक लीडर होने के नाते और ऐसा व्यक्ति होना जो अपने साथियों के साथ इतना मित्रतापूर्ण हो, उन्हें यह महसूस कराए कि हम सब एक साथ हैं, उसे एक महान कप्तान बनाता है। और मुझे लगता है कि हम इसे रोहित शर्मा में बहुत स्पष्ट रूप से देखते हैं। उन्हें सलाम! इसके बाद एक्टर ने भारतीय क्रिकेट टीम के बारे में बात करते हुए कहा, "चाहे वह जसप्रित बुमरा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज हों, हमारे पास रवींद्र जडेजा भी हैं, हमारे पास कुलदीप यादव भी हैं, मुझे नहीं लगता कि हमने कभी इस तरह की गेंदबाजी लाइनअप देखी है।"

हरभजन सिंह कबूलने वाले थे इस्लाम? इंजमाम उल हक के दावे पर भड़के भज्जी ने कहा, कौन सा नशा पी कर बात कर रहा

भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने मीडिया में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक की टिप्पणियों को लेकर उनकी आलोचना की है। इंजमाम ने एक कार्यक्रम में आरोप लगाया कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत की श्रृंखला के दौरान मौलाना तारिक जमील की बात सुनने के बाद हरभजन इस्लाम अपनाने के करीब थे। हरभजन ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान की आलोचना करते हुए कहा कि किसी को इंजमाम को डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए क्योंकि वह मानसिक रूप से ठीक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि किसी को इंजमाम उल हक को डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, कृपया उसे डॉक्टर के पास ले जाएं। उन्हें अजीबो-गरीब बयान दिए जाते हैं। मैं एक सिख हूं और एक सिख परिवार में जन्म लेकर मैं बहुत खुश हूं।

हरभजन ने एक्स पोस्ट में कहा कि ये कौन सा नशा पी कर बात कर रहा है? मैं एक गौरवान्वित भारतीय और गौरवान्वित सिख हूं। ये बकवास लोग कुछ कहते हैं। उन्होंने कहा कि ये सब ड्रामा वो मीडिया के सामने कर रहे हैं, मुझे समझ नहीं आ रहा कि उन्होंने ये सब बयान देने का फैसला कैसे कर लिया। मुझे नहीं पता कि वह कितना नशे में है या वह क्या धूम्रपान करता है और मुझे यकीन है कि नशे की हालत में वह जो कुछ भी कहता है, उसे अगली सुबह कुछ भी याद नहीं रहता है। बता दें कि हाल ही में हितों के टकराव के आरोपों के बीच इंजमाम को पाकिस्तान टीम के मुख्य चयनकर्ता के पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

वीडियो में, इंजमाम ने दावा किया कि हरभजन उन भारतीय क्रिकेटरों में से थे, जो पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ नमाज पढ़ने के लिए जाने जाने वाले मौलाना तारिक जमील के उपदेश में शामिल होते थे। एक दौरे के दौरान, इंजमाम ने कहा कि उन्होंने इरफान पठान, जहीर और मोहम्मद कैफ को नमाज सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, उन्होंने बताया कि हरभजन भी उपदेश में शामिल हुए। इंजमाम ने आगे सुझाव दिया कि पूर्व भारतीय स्पिनर उपदेश से प्रभावित थे और उन्होंने धर्म परिवर्तन की इच्छा भी व्यक्त की थी।

अब्दुल रज्जाक के ऐश्वर्या राय वाले बयान पर उमर गुल ने दी सफाई, वकार यूनिस बोले- मैं इस बयान से निराश हूं

वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तान के सेमीफाइनल की रेस से बाहर होने के बाद पूर्व क्रिकेटर अब्दुल रज्जाक ने बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया ऐश्वर्या राय बच्चन को लेकर विवादित बयान दिया था। उनके इस बयान पर अब पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी उमर गुल ने सफाई पेश की है। गुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया।

अपने पोस्ट में उमर गुल ने कहा, 'शाहिद अफरीदी और मैंने अब्दुल रज्जाक ने जो कहा उसका समर्थन करने के लिए ताली नहीं बजाई, लेकिन वह बस कटाक्ष था। वहां नंबर-1 ने उनकी कही गई बातों की सराहना और समर्थन किया। यह नैतिक रूप से गलत था। हर किसी का अपना अलग नजरिया होता है और जो इस बातचीत का हिस्सा ही नहीं है, उनका नाम लेना गलत है।'

पूर्व क्रिकेटर वकार यूनिस ने भी अब्दुल रज्जाक के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा, 'मैं रज्जाक के बयान से बहुत निराश और हताश हूं। इस तरह के व्यवहार की मैं निंदा करता हूं।'

वर्ल्ड कप 2023 के ग्रुप राउंड में पाकिस्तान को नौं में से पांच मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। रज्जाक ने इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान टीम और कप्तान बाबर आजम के प्रदर्शन की आलोचना की। उन्होंने पाकिस्तान टीम पर टिप्पणी करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या का भी नाम लिया, लेकिन उन्हें इसके लिए इंटरनेट पर अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्हें फैंस दके नाराजगी का सामना करना पड़ा।

घरेलू सितारे सिनेर ने शीर्ष रैंकिंग वाले जोकोविच को हराया

इटली के यानिक सिनेर ने एटीपी फाइनल्स में शीर्ष रैंकिंग वाले नोवाक जोकोविच को पहली बार हराकर अपने घरेलू दर्शकों को उत्साह से भर दिया। सिनेर ने तीन घंटे तक चले मैच में 7 . 5, 6 . 7, 7 . 6 से जीत दर्ज की।

बाईस वर्ष के सिनेर की जोकोविच पर चार मैचों में यह पहली जीत है। इसके साथ ही जोकोविच का 19 मैच का विजय अभियान भी खत्म हो गया। सिनेर ने रविवार को पहले मैच में स्टेफनोस सिटसिपास को हराया था। अब उनका सामना होल्गर रूने से होगा जिन्हें पहले मैच में जोकोविच ने मात दी थी।

ऑस्ट्रेलिया आसान प्रतिद्वंद्वी नहीं, लेकिन सेमीफाइनल की बाधा पार करने का भरोसा: बावुमा

बावुमा को अफगानिस्तान के खिलाफ टीम के पिछले मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या थी और कप्तान ने कहा कि वह अभी भी सेमीफाइनल के लिए 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। उन्होंने कहा, ह्यहाशारीरिक रूप से, मैं ठीक महसूस कर रहा हूं, जाहिर तौर पर 100 प्रतिशत नहीं। चिकित्सकीय रूप से मैं अपनी स्थिति नहीं बता सकता। मैं अंतिम एकादश में जगह को लेकर काफी आश्वस्त हूं, लेकिन मेरा मतलब है कि यह कोई एकतरफा निर्णय नहीं होगा।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया आसान प्रतिद्वंद्वी नहीं है लेकिन उनकी टीम को पांच बार के चैम्पियन के खिलाफ विश्व कप की सेमीफाइनल की बाधा को पार करने की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका के सामने विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम ऑस्ट्रेलिया की चुनौती होगी। दक्षिण अफ्रीका चार बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है लेकिन कभी फाइनल में नहीं पहुंच पाया। टीम को चार सेमीफाइनल में से दो बार ऑस्ट्रेलिया ने हराया है। बावुमा ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, "आप जानते हैं, हम 'मिकी माउस (कमजोर)' टीम के खिलाफ नहीं खेल रहे हैं'। ऑस्ट्रेलिया के पास नॉकआउट मैचों में काफी अनुभव और आत्मविश्वास है, इसलिए हमें इसका सम्मान करना होगा।"

दक्षिण अफ्रीका ने बल्लेबाजों के दमदार खेल से लीग चरण में प्रभावशाली रहा है, लेकिन बावुमा ने कहा कि सेमीफाइनल एक अलग तरह का मुकाबला होगा। उन्होंने कहा, "मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं होगी कि हमने जिस तरह से क्रिकेट खेला है, उसके कारण हम आगे बढ़ने के हकदार हैं। मुझे नहीं लगता कि चीजें इसी तरह चलती हैं।" उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने अब तक जिन प्रक्रियाओं का पालन किया है उसने हमें इस मुकाम तक पहुंचने में मदद की। हम इसी तरह आगे बढ़ेंगे और हमें विश्वास है कि टीम को अपने मुताबिक परिणाम अपने आप मिलेगा।" बावुमा ने कहा, "बहुत से लोग मानते हैं कि यह वह साल हो सकता है जब हम खुद को फाइनल में देखेंगे। एक टीम के रूप में, व्यक्तिगत रूप से हम इससे बेहतर कुछ नहीं चाहेंगे।

लेकिन हम क्रिकेट के खेल का भी सम्मान करते हैं।" बावुमा ने कहा कि 1992, 1996, 2007 और 2015 में सेमीफाइनल में दिल टूटने वाले परिणाम के बावजूद टीम के ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि सेमीफाइनल हमने एक टीम के रूप में जिस तरह से प्रदर्शन किया है, उससे जाहिर तौर पर काफी सकारात्मक सोच बनी है और हम से काफी काफी उम्मीदें भी हैं।" उन्होंने कहा, "टीम में शांति का माहौल है। जाहिर है खिलाड़ियों के बीच चिंता का सामान्य स्तर है, जिसकी आप कल के मैच में उम्मीद करते है। मुझे लगता है कि वहां तक पहुंचने के लिए, हमने जैसा प्रदर्शन किया है उससे काफी आत्मविश्वास मिलेगा।"

बावुमा को अफगानिस्तान के खिलाफ टीम के पिछले मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या थी और कप्तान ने कहा कि वह अभी भी सेमीफाइनल के लिए 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। उन्होंने कहा, ह्यहाशारीरिक रूप से, मैं ठीक महसूस कर रहा हूं, जाहिर तौर पर 100 प्रतिशत नहीं। चिकित्सकीय रूप से मैं अपनी स्थिति नहीं बता सकता। मैं अंतिम एकादश में जगह को लेकर काफी आश्वस्त हूं, लेकिन मेरा मतलब है कि यह कोई एकतरफा निर्णय नहीं होगा।

भाई–दूज विशेष : भाई की भूमिका

डॉ. रीना रवि मालपानी
(कवयित्री एवं लेखिका)

कहते है नियति के फैसले को सहर्ष स्वीकार करना चाहिए, पर मानव मन इतना समझदार कहाँ। ऊमा और रमा दोनों बहनें थी। हमारे यहाँ परिवारों में प्रायः पुत्र आगमन की विशेष इच्छा होती है। जब लड़कियाँ हुई तो परिवार और रिश्तेदारों को लड़के की कमी महसूस हुई। थोड़ी उदासी भी जाहिर हुई, पर भगवान के निर्णय भविष्य के धरातल पर सृजित होते है। नियति के निर्णय के साथ तो चलना ही था, समय के साथ-साथ ऊमा और रमा उच्च शिक्षा की ओर आगे बढ़ती चली गई। ईश्वर की कृपा से वे दोनों कुछ-कुछ विशेष कौशल से भी पूर्ण थी। जिससे वे दोनों समाज में एक प्रतिष्ठित नाम प्राप्त कर पाई। बहन अपने भाई से पिता समान संरक्षण एवं प्रेम प्राप्त करना चाहती है। ऊमा ने रमा के प्रति प्रेम, संरक्षण, जिम्मेदारी निर्वहन एवं प्यार-दुलार में कहीं न्यूनता नहीं होने दी। उसके होस्टल एडमीशन में एक बड़े भाई की तरह वह खड़ी होती थी।

कैरियर और उसके पश्चात विवाह की व्यवस्थाओं से लेकर उसकी छोटी से छोटी जरूरतों का ध्यान रखते हुए ऊमा सदैव बड़े भाई का दायित्व निभाती गई। ऊमा हर तरीके से अपनी छोटी बहन और परिवार के प्रति उत्तरदायित्व में खरी उतरी। परिवार के लिए हर प्रकार की व्यवस्था जुटाने में वह तत्पर रही। रमा को कभी भी भाई की कमी महसूस ही नहीं होने दी। लड़ाई-झगड़े, नोक-झोंक और प्यार-दुलार भी दोनों बहनों की यादों का अहम हिस्सा था। हालांकि ऊमा को इस दायित्व को निभाने में कई बार अनवरत संघर्षों से भी जूझना पड़ा, पर ऊमा परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेती गई और भाई के दायित्व को पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से निभाती गई। ऊमा के इस अहम दायित्व की वजह से आज रमा एक कुशल जीवन व्यतीत कर रही थी। परिवार और रिश्तेदार भी अब नियति के निर्णय की सार्थकता को समझ चुके थे।

हमनें यह तो बहुत सुना है कि जो मन का हो वो अच्छा और जो मन का न हो वह बहुत अच्छा। ईश्वर का चयन सदैव हमारी परिस्थितियों के अनुरूप होता है। वह स्वयं ही पालनहार है तो उसकी चिंता तो सर्वाधिक है। यदि मन में ध्येय हो तो एक लड़की भी भाई के कर्तव्य को पूर्ण निष्ठा से निभा सकती है। भाई की भूमिका में भाई के मनोभावों को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है और वह तो एक लड़की भी बखूबी समझ सकती है। समाज को लिंग भेद से ऊपर उठकर सोचना होगा।

संकीर्ण सोच से हम समाज की यथोचित उन्नति नहीं कर सकते। भाई-बहन का रिश्ता समर्पण और समझदारी से अटूट बनता है, इसलिए रिश्ते की गहराई को समझने का प्रयास करें और कर्त्तव्य निर्वहन में केवल समर्पण और भावनाओं को प्राथमिकता दे। भाई-बहन का स्नेह केवल भावनाओं के बंधन से प्रगाढ़ होता है। हमारा सनातन धर्म इन त्यौहारों के माध्यम से रिश्तों की प्रगाढ़ता को वृहद करने की ओर संकेत करता है।

पैन इंडिया 24 नवम्बर को मल्टीलैंग्वेज में रिलीज होगी अश्लेषा ठाकुर की फिल्म "शांतला"

अश्लेषा ठाकुर की बहुप्रतीक्षित मल्टीलैंग्वेज में बनी बड़ी हिंदी फिल्म "शांतला" के रीलीजिंग की घोषणा हो गई है। आगामी 24 नवम्बर को यह फिल्म पैन इंडिया रिलीज होने जा रही है। अश्लेषा ठाकुर को इससे पहले अमेजन प्राइम की मशहूर वेबसिरिज फैमिली मैन में देखा गया था। इस फिल्म "शांतला" में वे लीड कैरेक्टर प्ले कर रही हैं। उनके साथ इस फिल्म में निहाल कोढती मुख्य भूमिका में होंगे।

इस फिल्म का पहला गाना मशहूर फिल्म निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के हाथों रिलीज हुआ था जिसे देखने के बाद श्रीनिवास ने पूरी टीम को शुभकामनाएं प्रेषित किया था। उनको यह गाना बेहद पसंद आया था। अब वे फिल्म को लेकर भी बहुत आशान्वित हैं। मूल रूप से फिल्म "शांतला" तेलुगु में बनी है लेकिन इसको एक साथ अनेक भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है, जिसकी सारी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। संथाला एक सच्ची घटना पर आधारित पीरियड फिल्म है। जिसको लेकर पूरी टीम बहुत उत्साहित है।

अभिनेत्री अश्लेषा ठाकुर ने पहले ही कहा था कि उन्होंने इस फिल्म के लिए विशेष तौर पर तेलुगु सीखा व भरतनाट्यम की ट्रेनिंग ली। बहुत सारे लोगों की उम्मीदें अब इस फिल्म के साथ जुड़ी हुई है, यह एक बेहद दमदार और अच्छी कहानी पर बनी फिल्म है। कहानी से जुड़े असली लोगों के साथ जुड़कर फिल्म करने का अपना एक अलग ही आनंद होता है। बहुत उम्मीद है कि यह फिल्म लोगों को खूब पसंद आएगी।

इंडो अमेरिकन आर्ट्स के बैनर तले बनी फिल्म "शांतला" के निर्माता हैं डॉक्टर इरैकि सुरेश, निर्माता सिस्सु पेडिरेड्डी, सलाहकार हैं के एस रामाराव, सिनेमेटोग्राफी किया है आर रमेश ने। जबकि संवाद लिखे हैं साई माधव बुर्रा ने। फिल्म "शांतला" में कर्णप्रिय संगीत दिया है विशाल चंद्रशेखर ने वहीं गीत लिखे हैं, भास्कर भाटला,श्रीमेंनी और कृष्णा कांत ने। फिल्म में अश्लेषा ठाकुर के साथ अभिनय किया है निहाल, विनोद कुमार, वीणा नायर, मंजू भार्गवी, दीपक, रेखा निरोशा, फाल्गुनी, आनंद चक्रपाणी, व शिव पार्वती इत्यादि ने। इस फिल्म के प्रचारक संजय भूषण पटियाला है।

आरजेडी के आगे नीतीश कुमार के घुटने टेकने से बढ़ा बालू माफियाओं का दुस्साहस, सुशील मोदी का आरोप

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री व बीजेपी सांसद सुशील कुमार मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बालू माफिया को संरक्षण देने वाले राजद के आगे घुटने टेक दिये हैं। इसलिए पुलिस और खनन विभाग के अधिकारियों पर लगातार जानलेवा हमले होने के बाद भी न माफिया पर कड़ी कार्रवाई होती है, न राजद के मंत्रियों पर शिकंजा कसा जाता है। बुधवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को खनन विभाग अपने पास रखना चाहिए। साथ ही माफिया से लड़ते बलिदान हुए दारोगा प्रभात रंजन के आश्रितों को एक करोड़ की विशेष अनुग्रह राशि दी जानी चाहिए।

सुशील मोदी ने कहा है कि जमुई में बालू माफिया के लोगों ने ट्रैक्टर से कुचल कर दारोगा की हत्या कर दी, जबकि राजद कोटे के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को इस घटना की जानकारी नहीं थी। उन्हीं की पार्टी के मंत्री चंद्रशेखर इसे रुटीन क्राइम बताकर हत्यारों का बचाव करते रहे। बालू माफिया ने सारण, औरंगाबाद से जमुई तक पूरे खनन क्षेत्र में इस साल के 11 महीनों में 12 बड़े हमले किये। जमुई में केवल दारोगा प्रभात रंजन को नहीं, बिहार पुलिस का मनोबल कुचलने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि लालू और बालू का पुराना रिश्ता है। राजद के सत्ता में आने से खनन क्षेत्र में अपराध बढने का कारण बन गया है।

सूरत के पलसाना इलाके में एक रंगाई इकाई के सेप्टिक टैंक में प्रवेश के बाद दम घुटने से बिहार के चार मजदूरों की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार की शाम पलसाना-कटोदरा मार्ग के पास एक फैक्टरी में घटी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सेप्टिक टैंक को साफ करने के दौरान दो मजदूरों की तबीयत खराब हो गई। वहीं उन दोनों को संभाल रहे अन्य दो मजदूर भी बेहोश हो गए। चारों को टैंक से बाहर निकाला गया और तुरंत अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मरने वाले मजदूर बिहार के रहने वाले थे और फिलहाल उनकी पहचान की जा रही है।

हाजीपुर में 28 नवम्बर को पशुपति पारस मनोयगें पार्टी का स्थापना दिवस दिखायेगें पार्टी का शक्ति प्रदर्शन

लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों को पुख्ता करने के लिहाज से राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस 28 नवम्बर को अपनी पार्टी का स्थापना दिवस समारोह हाजीपुर के अक्षयवट राय स्टेडियम में मनायेंगे। स्थापना दिवस के ऐतिहासिक तैयारी और भव्य रूप से मनाने के लिए पशुपति पारस ने आज पटना के पार्टी कार्यालय में वैशाली जिला के रालोजपा एवं दलित सेना के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं तथा राज्य पार्टी के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक को संबोधित करते हुए पशुपति पारस ने कहा कि वर्ष 2000 में 28 नवम्बर को हमारे दिवंगत नेता रामविलास पासवान ने दिल्ली के रामलीला मैदान में पार्टी की स्थापना की थी और हमारी पार्टी का नींव रखा था पारस ने कहा कि प्रतिवर्ष हमलोग और हमारी पार्टी पटना में स्थापना दिवस मनाया करते थे लेकिन इस बार स्थापना दिवस को हाजीपुर में मनाने का निर्णय इसलिए, लिया गया कि हाजीपुर रामविलास पासवान की कर्मभूमि रही है, रामविलास पासवान हाजीपुर को अपनी मां की तरह मानते थे इसलिए इस बार का स्थापना दिवस पूरे उत्साह उमंग और उल्लास के साथ मनाया जायेगा और उस दिन कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तथा पूरे देश भर से पार्टी एवं दलित सेना के नेता एवं कार्यकर्ता हाजीपुर पहुँचेंगें। आगे पारस ने कहा कि हाजीपुर के लोगों ने जिस तरह पासवान जी का नाम गिनीज बुक में रिकार्ड करा कर देश के दलितों का सबसे बड़ा नेता बनाया तथा पूरे देश में द्वितीय अम्बेडकर के रूप में पहचान दिलाने का काम किया। पारस ने कहा कि कुछ लोगों ने रामविलास पासवान के निधन के बाद उनके नाम और पार्टी को समाप्त करने की साजिश की थी लेकिन मैं जबतक जिंदा रहूँगा अपने नेता स्व0 पासवान के नाम और उनके काम और उनकी पार्टी को और भी ऊँचाई पर लेकर जाउगाँ। स्व0 पासवान जी का हाजीपुर से जो रिश्ता वह रिश्ता को मैं जीवन पर्यन्त निभाउँगा और हाजीपुर तथा बिहार की जनता निस्वार्थ भावना से सेवा करता रहूँगा। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल ने बताया कि महागठबंधन सरकार के दलित और पिछड़ा विरोधी चेहरे को उजागर करने के मकसद से पार्टी ने 28 नवम्बर को हाजीपुर में बड़ा जुटान करने का निर्णय लिया है।

बैठक का संचालन दलित सेना के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम कुमार दाहा ने किया। बैठक को मुख्य रूप से विधान पार्षद भूषण कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विरेश्वर सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल, बिटू गुप्ता, पारसनाथ गुप्ता, अम्बिका प्रसाद बिनु, आकाश यादव, ललन चन्द्रवंशी, उपेन्द्र यादव, रंजीत पासवान, मिंटू यादव, मनीष स्वर्णकार, ई0 शिवम कुमार, मनोज सिंह, ब्रह्मदेव राय, कामेश्वर सिंह, पप्पू सिंह, राजेश सिंह, मधुर कुमार राय, सुनील कुशवाहा, शिवनाथ पासवान, सत्यनारायण शर्मा, हरिहर पासवान, अजय पासवान सहित कई नेताओं ने स्थापना दिवस समारोह को सफल बनाने तथा इस रूपरेखा तय करने को लेकर बैठक में अपने विचार को रखा।

महाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर ने कटरा स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यो का गहन निरीक्षण किया

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबन्धक सुश्री सौम्या माथुर ने आज प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री रंजन यादव, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री संजय सिंघल, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक श्री संजय मिश्र, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री राजेश कुमार पाण्डेय, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल श्री तारिक अहमद, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह, सचिव/महाप्रबन्धक श्री आनन्द ऋषि श्रीवास्तव, मण्डल रेल प्रबन्धक/लखनऊ श्री आदित्य कुमार तथा लखनऊ मण्डल के वरिष्ठ शाखाधिकारियों के साथ गोरखपुर-कटरारेल खण्ड का विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने जाड़े के मौसम में सुरक्षित एवं संरक्षित रेल संचलन हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया साथ ही सिगनल की दृश्यता को दुरुस्त बनाये रखने का भी निर्देश दिया।

इसके उपरान्त महाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर ने कटरा स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन के नये प्रवेश द्वार, सकुर्लेटिंग एरिया का विस्तार, पी.पी. शेल्टर, नये प्रसाधन का निर्माण तथा पुराने प्रसाधन का नवीनीकरण, 40,000 लीटर क्षमता के वॉटर हेड टैंक का निर्माण, मेला में आने वाले श्रद्धालुओं के सुविधा हेतु प्रतीक्षालय का सौन्दर्यीकरण, बैठने की व्यवस्था, ग्लोशाइन स्टेशन नाम बोर्ड, साइनेजेज, वाटर बूथ, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था आदि के चल रहे कार्यो का निरीक्षण कर तय समय सीमा के अन्दर पूरी गुणवत्ता के साथ पुरा करने हेतु निर्देशित किया। स्टेशन अधीक्षक कक्ष का निरीक्षण करते हुए सुश्री माथुर ने कक्ष में आवश्यक सुधार का निर्देश दिया। कटरा स्टेशन पर लगभग रू. 2.5 करोड़ की लागत से सुविधा विस्तार का कार्य किया जा रहा है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत रू. 8.02 करोड़ की लागत से विकसित किये जा रहेरामघाट हाल्ट स्टेशन का निरीक्षण करते हुये महाप्रबन्धक सुश्री सौम्या माथुरने स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यो का गहन अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को रामघाट हाल्ट स्टेशन पर किए जा रहे उन्नत कार्यों के अन्तर्गत रेलवे स्टेशन के प्रवेश व निकास द्वार के निर्माण, प्लेटफार्म सतह के अपग्रेडेशन एवं उच्चीकरण, यात्री विश्रामालय व प्रसाधनों का आधुनिकीकरण तथा प्लेटफार्म शेड का कार्य तीव्र गति से किये जाने का निर्देश दिया।

रामघाट हाल्ट स्टेशन पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु मल्टीफंक्शनल काम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट विंडो, सामान्य उपयोग में आने वाली वस्तुओं की दुकानें, रिटायरिंग रूमहोंगी, का निर्माण किया जा रहा है। प्लेटफार्म के उच्चीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। सकुर्लेटिंग एरिया में बाउण्ड्री वाल का निर्माण तथा प्लेटफार्म पर आर. सी. सी.बाउण्ड्री वाल का निर्माण कार्य भी पूरी गुणवत्ता के साथ तीव्र गति से किया जा रहा है।

दिल्ली के प्रदूषण से त्रस्त सोनिया गांधी, डॉक्टरों की सलाह पर पर जयपुर हुईं शिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली के बाद मंगलवार को दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कारण कांग्रेस नेता सोनिया गांधी अस्थायी रूप से जयपुर स्थानांतरित हो गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में वायु गुणवत्ता मंगलवार की सुबह भी 'गंभीर' श्रेणी में बनी रही, क्योंकि शहर में एक बार फिर धुंध छा गई और दृश्यता सीमित हो गई। मंगलवार को सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ भारत के पहले प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि देने के लिए शांति वन स्मारक का दौरा किया था। सोनिया गांधी को दो महीने पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था और कथित तौर पर उन्हें श्वसन संबंधी समस्याएं हैं। दिल्ली के गंभीर वायु प्रदूषण के बीच मंगलवार को सोनिया गांधी मास्क पहने नजर आईं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनिया गांधी को उनके डॉक्टरों ने ऐसी जगह शिफ्ट होने की सलाह दी थी, जहां की हवा दिल्ली जितनी प्रदूषित न हो। इसलिए सोनिया गांधी बेटे राहुल गांधी के साथ मंगलवार को जयपुर पहुंचीं।

पृष्ठ 1 का शेष

नई दिल्ली-दरभंगा क्लोन स्पेशल की तीन...

के दौरान स्टेशन मास्टर ने एस-1 बोगी से धुआं निकलता देखा। उन्होंने इसका सिग्नल ट्रेन के ड्राइवर को दिया। स्टेशन मास्टर की सूझबूझ से ट्रेन को रोका गया। इसके बाद यात्रियों को तत्काल बोगी खाली करने को कहा गया। अपनी जान बचाने के लिए यात्री सामान को छोड़कर नीचे की तरफ भागे। इस दौरान कुछ यात्री बोगी से नीचे कूद गए। इससे उन्हें चोट भी आई। छठ पूजा स्पेशल ट्रेन के स्लीपर बोगी में भी भारी भीड़ थी। यात्री खचाखच भरे हुए थे। ट्रेन में आग लगने की खबर उच्च अधिकारियों को दी गई। मौके पर डीआरएम के पहुंचने की बात कही जा रही है। वहीं, राहत और बचाव कार्य जारी है।

इटावा के पास बुधवार शाम नई दिल्ली- दरभंगा स्पेशल एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लग गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की अभी तक कोई सूचना नहीं है। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हिमांशु उपाध्याय ने कहा कि इटावा के पास सराय भूपत जंक्शन के स्टेशन मास्टर ने नई दिल्ली-दरभंगा स्पेशल एक्सप्रेस के कोच संख्या एस-1 से धुआं निकलते देखा।

सीपीआरओ ने कहा कि ट्रेन को तुरंत रोक दिया गया और सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, जले हुए कोच को ट्रेन से अलग कर दिया गया है और दमकल गाड़ियों को आग बुझाने के काम पर लगाया गया है।

बिहार में सरकारी नौकरियों की 'बाढ़'...

सूबे में करीब 29 हजार मिडिल स्कूल है, जिनमें से बहुत सारे में प्रधान की कुर्सी खाली हैं। यह बहाली भी बीपीएससी की लिखित परीक्षा के माध्यम से ही की जाएगी।

इंजिनियर भी बन सकेंगे शिक्षकशिक्षा विभाग अब इंजीनियर को भी शिक्षक बनने का मौका देने जा रही है। इसके लिए बीटेक अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही बीएड भी जरूरी है। बीएससी बायो टेक्नोलॉजी और बीएससी इलेक्ट्रॉनिक्स वालों को कक्षा छह से आठ तक के लिए शिक्षक बनने का मौका मिलेगा। दरअसल, इंजीनियरों ने मांग की थी कि उन्हें भी कक्षा 6 से 8 तक के शिक्षक बनने का मौका मिलना चाहिए। मांग को ध्यान में रखकर शिक्षा विभाग ने कक्षा 6 से 8 तक के संशोधित अर्हता जारी की है। इसके साथ ही विभाग ने स्पष्ट किया है कि 19 मई 23 को जारी आदेश में संशोधन कर दिया गया है। विभाग ने साफ कर दिया है कि न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बीएसीए और प्रारंभिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा, बीएड, बीएड विशेष शिक्षा, न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ अथवा उसके समकक्ष ग्रेड के साथ एमसीए और तीन वर्षीय एकीकृत बीएड-एमएड भी इस नियुक्ति के योग्य होंगे।

आदर्श धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में...

है। अगले माह 11 दिसंबर को प्री-बिड मीटिंग होगी।

आदर्श धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में होगा विकसित

सीतामढ़ी जिले के पुनौरा गांव में मां जानकी जन्मभूमि मंदिर है, जिसे पुनौराधाम के नाम से भी जाना जाता है। पर्यटन विभाग माता सीता के जन्मभूमि को आदर्श धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है।

विभागीय जानकारी के अनुसार, योजना के तहत पुनौरा धाम में कालमयुक्त कोलोनेड परिक्रमा पथ का निर्माण किया जाएगा।

सीता वाटिका एवं लव-कुश वाटिका के साथ जानकी महोत्सव क्षेत्र का विकास भी किया जाना है। यहां सुंदर वास्तुशिल्प से सुसज्जित दीवारें, पार्किंग, मंडप, आंतरिक सड़कें आदि बनाई जाएंगी।

बच्चों के लिए चिल्ड्रेन प्ले एरिया, थ्रीडी एनिमेशन शो की भी व्यवस्था होगी। डिस्प्ले कियोस्क और कैफेटेरिया भी बनाया जाएगा। दीवारों को भित्ति चित्र से सजाया जाएगा।

लैंडस्केपिंग और थिमेटिक गेट इत्यादि का भी निर्माण किया जाएगा। योजना का कार्यान्वयन बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के द्वारा किया जाएगा।

बिहार के किसानों को जल्द ही मिलेगा...

'राज्य सरकार किसानों सहित सहकारी क्षेत्र से जुड़े हितधारकों के कल्याण के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। विभाग राज्य में केसीसी धारक किसानों को ब्याज मुक्त अल्पकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में है। राज्य के किसानों को शीघ्र ही शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराया जायेगा।'

दीपक कुमार सिंह ने कहा, ह्वनई योजना के तहत राज्य में किसानों को फसल के बाद के खर्चों के साथ-साथ कृषि और अन्य संबद्ध गतिविधियों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण दिया जाएगा।ह्व उन्होंने राज्य में सामूहिक विकास के लिए सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के महत्व को रेखांकित किया।

मध्य प्रदेश चुनाव और छत्तीसगढ़ में थमा...

काम करता है। दूसरे चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 958 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं जिनमें 827 पुरुष, 130 महिला और एक उम्मीदवार तृतीय लिंग का है। अधिकारियों ने बताया कि दूसरे चरण के मतदान के दौरान राज्यके एक करोड़ 63 लाख 14 हजार 479 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 81 लाख 41 हजार 624 पुरुष मतदाता, 81 लाख 72 हजार 171 महिला मतदाता तथा 684 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में कुल 18 हजार 833 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 700 संगवारी मतदान केंद्र हैं जहां सिर्फ महिला मतदानकर्मी ही पदस्थ रहेंगी। अधिकारियों ने बताया कि दूसरे चरण में सबसे ज्यादा 26 उम्मीदवार रायपुर शहर पश्चिम में हैं जबकि सबसे कम चार उम्मीदवार डौंडीलोहारा सीट पर हैं। दूसरे चरण कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल (पाटन सीट), राज्य विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत (सक्ती), उप मुख्यमंत्रीटीएस सिंह देव (अंबिकापुर), गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू (दुर्ग ग्रामीण) और रवींद्र चौबे (साजा) सहित राज्य के आठ मंत्रियों के भाग्य का फैसला होगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक मोहम्मद गौहर द्वारा 'तासीर प्रिंटिंग प्रेस', प्लॉट न. 902 एवं 903, याकूबपुर नगवां, थाना-जानीपुर, पोस्ट-सोरंगपुर (जानीपुर), पटना-801505 (बिहार) से मुद्रित एवं कैम्पस- 'तासीर प्रिंटिंग प्रेस', प्लॉट न. 902 एवं 903, याकूबपुर नगवां, थाना-जानीपुर, पोस्ट-सोरंगपुर (जानीपुर), पटना-801505 (बिहार) से प्रकाशित। मो. : 9939247863, ई.मेल- hkppatna@gmail.com

अमित शाह का कांग्रेस पर पिछड़े समाज का अपमान करने का लगाया आरोप

साजा (एजेंसी)। गृह मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने कांग्रेस पर आजादी के बाद से पिछड़े समाज का अपमान करने और उन्हे आरक्षण और अन्य हकों से वंचित रखने का आरोप लगाया है।

श्री शाह ने आज यहां प्रचार के आखिरी दिन एक बड़ी चुनावी सभा में कहा कि कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा भी नही दिया। पहली बार अति पिछड़े वर्ग का प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री नरेन्द्र मोदी ने इस आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया। उनके मंत्रिमंडल में 27 मंत्री पिछड़े वर्ग के है,जबकि भाजपा के लगभग 100 सांसद पिछड़े वर्ग के है। देश के कुळ विधायकों की संख्या में पिछड़े वर्ग के विधायकों की संख्या 27 प्रतिशत से अधिक है। उन्होने कहा कि मोदी सरकार ने नीट में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया ,सैनिक स्कूलों में दिया और आईआईटी में एक लाख का अनुदान दिया ,जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सिर्फ गाली देने का काम किया है।

उन्होने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर पिछले चुनाव में किए वादों को पूरा नही करने का आरोप लगाते हुए कहा कि शराबबंदी का वादा तो पूरा नही किया उल्टे शराब घोटाला कर पांच हजार करोड़ डकार लिया। इसी प्रकार अन्य योजनाओं में घोटाला किया। उन्होने लोगो को भरोसा दिलाया कि भाजपा ने जो भी वादा किया है वह मोदी की गारंटी है। इसका पूरा होना तय है। उन्होने कहा कि हर विवाहित महिला को प्रति वर्ष 12 हजार रूपए दिए जायेंगे। उन्होने महिलाओं से इसके लिए भाजपा द्वारा पंजीयन के लिए भरवाए जा फार्म को भरने की अपील की। उन्होने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तंज कसते हुए कहा कि जिनकी खुद की गारंटी नही है उनकी गारंटी का क्या मतलब।

श्री शाह ने भूपेश सरकार पर राज्य में भ्रष्टाचार कर इसे कांग्रेस का एटीएम बनाने का काम करने का आरोप लगाते हुए लोगो से कहा कि जो लोग छत्तीसगढ़ का पैसा खा गए है उन्हे उल्टा लटकाने का काम वह करेंगे। घोटाले करने वालों को माफ नही किया जायेंगा।

70 घंटे बाद भी 40 मजदूर फंसे, उत्तरकाशी सुरंग के अंदर क्या है मौजूदा स्थिति

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में ब्रह्मखाल-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिल्क्यारा और डंडालगांव के बीच ढही निमार्णाधीन सुरंग के मलबे में अभी भी 40 मजदूर फंसे हुए हैं। रविवार को भूस्खलन के बाद पहली बार इस घटना की सूचना मिलने के बाद से 72 घंटे से अधिक समय बीत चुका है। भूस्खलन का मलबा निमार्णाधीन सुरंग के टूटे हुए हिस्से पर गिर गया, जिससे ऑपरेशन में बाधा उत्पन्न हुई और साथ ही दो बचावकर्मी घायल हो गए। विवरण के मुताबिक फिलहाल फंसे हुए मजदूरों के आगे 50 मीटर से ज्यादा तक मलबा पड़ा हुआ है और उक्त हिस्सा बेहद कमजोर बताया गया है।

बचाव अभियान अभी भी चल रहा है, इस हिस्से में जेसीबी मशीनें, बिजली जनरेटर, निर्माण सामग्री और कई अन्य छोटी मशीनें भी हैं, जिससे दूसरी तरफ पहुंचना मुश्किल हो रहा है। बुधवार शाम तक 25 टन वजनी मशीनें लेकर तीन विशेष विमान घटनास्थल पर पहुंचने की उम्मीद है। ये मशीनें मलबे को तोड़कर बचाव अभियान के लिए स्टील पाइप को दूसरी तरफ ले जाने में मददगार होंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक चट्टान के संपर्क में आने से एक मशीन के कुछ हिस्से टूट गए।

बचाव दल ने कहा कि वे मलबे के साथ 50 मीटर तक 800 मिमी स्टील पाइप डालेंगे, जिससे उन्हें फंसे हुए मजदूरों को बचाने में मदद मिलेगी। इससे पहले भी, फंसे हुए श्रमिकों के लिए भागने का रास्ता तैयार करने के लिए सुरंग के अंदर मलबे के माध्यम से एक पाइप डाला गया था। स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर टीम ने कहा कि क्लौस्ट्रफोबिया का खतरा कम है क्योंकि सुरंग की लंबाई लगभग दो किलोमीटर है।

स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए भारत-अमेरिका आए साथ, दोनों देशों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका ने स्टार्टअप के बीच सहयोग बढ़ाने, नियामकीय अड़चनों को दूर करने और उद्यमियों के पूंजी जुटाने पर सर्वोत्तम व्यवहार को साझा करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को कहा गया कि भारत-अमेरिका वाणिज्यिक वार्ता के तहत नवोन्मेषण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए एमओयू पर 14 नवंबर को सैन फ्रांसिस्को में हस्ताक्षर किए गए।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस समय सैन फ्रांसिस्को में हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा कि एमओयू पर एक उद्योग गोलमेज बैठक में हस्ताक्षर किए गए। इस बैठक में प्रमुख आइसीटी कंपनियों के सीईओ, वेंचर कैपिटल फर्मों के अधिकारियों और प्रमुख स्टार्टअप के संस्थापकों ने भाग लिया। इस दौरान दोनों देशों के बीच प्रौद्योगिकी सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने दो महत्वाकांक्षी 'इनोवेशन हैंडशेक' पहल को जारी करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी ने जून में इसकी समीक्षा की थी।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस घोषणा ने 2024 की शुरूआत में भारत और अमेरिका में होने वाले 'इनोवेशन हैंडशेक' के दो कार्यक्रमों के लिए आधार तैयार किया। इसमें एक इन्वेस्टमेंट प्लेटफार्म शामिल है, जिसका मकसद अमेरिकी तथा भारतीय स्टार्टअप कंपनियों को उनके अभिनव विचारों तथा उत्पादों को बाजार में लाने में मदद करना है। दूसरा सिलिकान वैली में एक 'हैकथान' जहां दोनों देशों के स्टार्टअप अपनी प्रौद्योगिकियों को पेश करेंगे।

नैस्डैक के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि वैश्विक निवेशकों से भारत में बेहद जरूरी निवेश लाने में अमेरिकी शेयर बाजार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। नैस्डेक के कार्यकारी वाइस चेयरमैन एडवर्ड नाइट ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत में अभी '200 से अधिक बेहद बड़ी स्टार्टअप कंपनियां हैं जो भविष्य में सूचीबद्ध हो सकती हैं और ऐसा दुनिया में कहीं और नहीं देखा गया है।

नैस्डेक (नेशनल एसोसिएशन ऑफ सिक्योरिटीज डीलर्स आटोमेटेड कोटेशन) एक स्टाक एक्सचेंज है। एपल, माइक्रोसाफ्ट और अमेजन जैसी दुनिया की कुछ सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां इसमें सूचीबद्ध हैं। यह न्यूयार्क स्टाक एक्सचेंज (एनवाईएसई) के बाद बाजार पूंजीकरण के हिसाब से दुनिया का सबसे पुराना तथा दूसरे सबसे बड़े शेयर बाजार में से एक है।

कानून व्यवस्था बनाये रखना अधिकारियों की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारीः बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि देश में कानून व्यवस्था बनाये रखना अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

श्री बिरला ने सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के 75वें बैच के लिए संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के बारे में आयोजित परिबोधन पाठ्यक्रम का आज संसद परिसर में उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कहा कि प्रतिष्ठित भारतीय पुलिस सेवा के लिए चुना जाना उनकी लगन, बुद्धिमत्ता और निष्ठा का प्रमाण है, क्योंकि संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में सफल होने वाले उम्मीदवारों को विश्व स्तर पर अपने संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट माना जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय पुलिस सेवा के

अधिकारियों के रूप में उन्हें कानून और न्याय व्यवस्था, जो एक निष्पक्ष और उन्नत समाज तथा एक विकसित लोकतंत्र की आधारशिला है, को बनाए रखते हुए राष्ट्र के प्रति योगदान करने का उत्कृष्ट अवसर मिला है।

उन्होंने लोकतांत्रिक संरचना की कार्यकारी, विधायी और न्यायिक शाखाओं के बीच सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि जहाँ संसद को देश के शासन के लिए कानून तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वहीं पुलिस प्रशासन का यह कर्तव्य है कि वह इन कानूनों को निष्पादित करे और यह सुनिश्चित करे कि कानून निमार्ताओं द्वारा प्रस्तावित लाभ प्राप्त हों।

देश भर में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बात करते हुए श्री बिरला ने विशेष रूप से अशांति के समय पर जनता को भरोसा दिलाने के उनके गुरुतर दायित्व का उल्लेख किया । उन्होंने विशेष रूप से संकट के समय में पुलिस बल और जनता के बीच विश्वास बनाए रखने के पहलू के महत्व पर भी जोर किया। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि कानून की रक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के साथ-साथ न्याय भी समाज में प्रत्येक व्यक्ति के लिए सुलभ विशेषाधिकार है, चाहे उनकी सामाजिक, आर्थिक या राजनीतिक स्थिति कुछ भी हो।

श्री बिरला ने कहा कि किसी देश की वैश्विक स्थिति उसकी कानून और व्यवस्था की स्थिति से बहुत हद तक प्रभावित होती है, इसलिए युवा प्रशिक्षु अधिकारियों की यह एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वह कानून व्यवस्था बनाए रखें ।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में गहरी खाई में गिरी बस, 36 लोगों की मौत, 19 घायल, पीएम मोदी ने किया अनुग्रह राशि का ऐलान

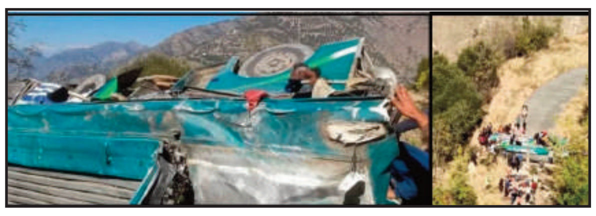

एक दुखद घटना में जम्मू-कश्मीर के डोडा में बुधवार को एक बस के गहरी खाई में गिरने से 36 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। सूत्रों के मुताबिक, बस किश्तवाड़ से जम्मू जा रही थी और इसमें कम से कम 55 यात्री सफर कर रहे थे।संबंधित अधिकारियों ने यात्रियों को बचाने के लिए बचाव अभियान शुरू कर दिया है। इस बीच, घायल यात्रियों को डोडा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस में क्षमता से अधिक लोगों के सवार होने के कारण चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ। हालांकि, इस जानलेवा हादसे की वजह को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने डोडा ड-ीसी से बात की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ॅदुर्घटना स्थल पर ड-ीसी डोडा श्री हरविंदर सिंह से अपडेट साझा करते हुए दुख हो रहा है। दुर्भाग्य से 36 लोगों की मौत हो गई है और 19 घायल हो गए हैं, जिनमें से 6 घायल गंभीर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताया और इसे "दुखद" बताया।

कमजोरी में शांति की बात नहीं हो सकतीः धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि कमजोरी की स्थिति से शांति की बातचीत नहीं हो सकती इसलिए इसके लिए सभी आधारों पर मजबूत होना चाहिए।

श्री धनखड़ ने यहां ह्लहिन्द-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद 2023ह्व में मुख्य भाषण देते हुए कहा कि सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत खुले और अप्रतिबंधित प्रवाह के साथ एक स्वतंत्र और शांतिपूर्ण नियम-आधारित हिन्द - प्रशांत क्षेत्र चाहता है। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक गतिविधियां और आवागमन अंतरराष्ट्रीय कानूनों और समझौतों के अनुसार होना चाहिए।

नौवहन और हवाई मार्ग के लिए स्वतंत्रता का आह्वान करते हुए श्री धनखड़ ने कहा, 'हम एक न्यायसंगत वैश्विक नियामक व्यवस्था चाहते हैं जो समुद्री संसाधनों और समुद्र तल के स्थायी और न्यायसंगत दोहन पर अधिकार का सम्मान करता हो।'

श्री धनखड़ ने कहा कि समुद्र में अपार अप्रयुक्त संपत्ति वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए नयी सीमा तय है।उन्होंने कहा कि समुद्र और इसकी संपत्तियों के दावों की संभावना को रोकने के लिए एक नियामक व्यवस्था और इसके प्रभावी प्रवर्तन की आवश्यकता है।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि भारत एक अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। भारत को वैश्विक स्तर पर शांति और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण और रचनात्मक भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने कहा, ह्लआप शांति स्थापित नहीं कर सकते, आप शांति के लिए बातचीत नहीं कर सकते,

आप कमजोरी की स्थिति से शांति की आकांक्षा नहीं कर सकते। आपको मजबूत होना होगा और आपको सभी बुनियादी तथ्यों पर मजबूत होना होगा। वर्तमान परिदृश्य में भारत इसके लिए बिल्कुल उपयुक्त है।

उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय दो गंभीर संकटों का सामना कर रही है और सुरंग के अंत में कोई रोशनी दिखाई नहीं दे रही है। इसका समाधान सभी राष्ट्रों को एक साथ आना होगा।

श्री धनखड़ ने कहा कि सहयोगात्मक सुरक्षा और नवीन साझेदारी ही आगे बढ़ने का रास्ता है। उन्होंने कहा,ह्लयही एकमात्र रास्ता है। कोई भी देश अकेला नहीं खड़ा हो सकता, एकजुट होकर कार्रवाई करनी होगी।"

उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह दुख और पीड़ा का विषय है कि भारत में मानवता का छठा हिस्सा है, लेकिन उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में उचित प्रतिनिधित्व नहीं है जो निश्चित रूप से इस वैश्विक निकाय के प्रभाव को कम करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है जब उस पर भी ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन और हाइपरसोनिक हथियारों जैसी प्रौद्योगिकियों का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि इनका कौशल और महारत भविष्य की रणनीतिक विशेषताओं और कमजोरियों का निर्धारण करेगी। इस संबंध में, उन्होंने भारतीय कॉपोर्रेट क्षेत्र से आगे आने, नागरिक और सैन्य बलों के साथ जुड़ने और ऐसी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए काम करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत को शांति के निरंतर समर्थक के रूप में पहचाना जा सकता है, जो कभी विस्तार में शामिल नहीं रहा। उन्होंने कहा कि हमारे पड़ोस की शांति और स्थिरता भारत की वृद्धि और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

भाजपा विकास की पक्षधर रहीः स्मृति

जबलपुर (एजेंसी)। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने आज कहा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सदैव आस्था के साथ विकास की पक्षधर रही है। इसीलिए आज देश से लेकर मध्यप्रदेश तक विकास कार्यों की निरंतरता है और आमजन को सीधे लाभान्वित करने कि योजनाएं क्रियान्वित हो रही हैं।

श्रीमती ईरानी ने यह बात जबलपुर जिले की सिहोरा विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी संतोष बरवडे के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। श्रीमती ईरानी ने बालाघाट जिले की कटंगी विधानसभा क्षेत्र में भी पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में आम जनमानस का जीवन स्तर खुशहाल हुआ है। इसी विकास की निरंतरता को बनाए रखने आप सबको पुनः मध्यप्रदेश में भाजपा की स-

रकार चुनना है। मध्यप्रदेश में फिर भाजपा सरकार बनाने के लिए आप सब 17 तारीख को कमल का बटन दबाकर भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाएं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सिहोरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी संतोष भैया को अपना आशीर्वाद प्रदान करें और प्रचंड मतों से जिताकर विधायक बनाएं। भारतीय जनता पार्टी हमेशा विकास की बात करती है। भाजपा सदैव विकास की पक्षधर रही है। जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बनी है, भारत तेजी से विकास कर रहा है। मध्यप्रदेश में भी भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने विकास करके प्रदेश को विकसित राज्य बनाया है। फिर एक बार भाजपा की सरकार बनाइए, भाजपा आपके प्रदेश को स्वर्णिम प्रदेश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इनके नेताओं को विकास से कोई वास्ता नहीं है। कांग्रेस के नेता हमेशा अपने परिवार का भला करने की सोचते हैं, जनता की भलाई नहीं करते। भाजपा सरकार हमेशा जनता को लाभान्वित करने वाली योजनाएं संचालित करती है, ताकि जनता को अधिक से अधिक सीधे लाभ पहुंचाया जा सके।

बीपीएससी से चयनित शिक्षकों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन शुरू, जल्द होगा स्कूल का आवंटन

पटना (एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) से चयनित एक लाख 20 हजार शिक्षकों के शैक्षणिक एवं प्रशैक्षणिक संबंधी प्रमाण पत्रों का सत्यापन शुरू कर दिया गया है। शिक्षा विभाग के निदेशक कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव ने सभी जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी कर कहा है कि बिना विलंब किए नवनियुक्त शिक्षकों के प्रमाण पत्रों की जांच कार्य में तेजी लाएं। यदि इस कार्य में कोई समस्या हो तो मुख्यालय को सूचित कर

समाधान प्राप्त करें

निदेशक ने कहा है कि एक लाख नौ हजार शिक्षकों को काउंसिलिंग के बाद जिलों के द्वारा औपबंधित नियुक्ति पत्र दिया जा चुका है। बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक नियुक्ति नियमवाली 2023 के आलोक में इन शिक्षकों के प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराया जाना आवश्यक है। मालूम हो कि नये शिक्षकों को विद्यालय आवंटित कर उन्हें योगदान कराया जा रहा है।